हरिभूमि
रायपुर भूमि







छत के ऊपर एयर शो! गड़गड़ाहट सुनकर घरों से निकले शहरवासी

- राजधानी के आसमान में गूंजा भारतीय वायुसेना के 'सारंग' हेलीकॉप्टरों का गर्जन,
- 2 नवंबर को नवा रायपुर के सेंध लेक में होगा सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्योत्सव के पहले राजधानीवासियों को आसमान में रोमांचक नजारे दिखे। भारतीय वायुसेना की विश्वप्रसिद्ध 'सारंग' हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने राजधानी के आसमान में शानदार उड़ान भरकर रायपुरवासियों को रोमांचित कर दिया। हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट सुनते ही शहरवासियों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

खास खबर



लोगों ने अपने घरों, कार्यालयों और विभिन्न भवनों की छतों से इस अद्भुत नजारे का आनंद लिया। राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में भी सारंग हेलीकॉप्टरों की उड़ान को लेकर नागरिकों में खासा उत्साह रहा। जैसे ही हेलीकॉप्टर आसमान में दिखाई दिए, लोगों की निगाहें उनकी ओर टिक गईं। घरों और कार्यालयों की छतों पर खड़े नागरिकों ने हाथ हिलाकर पायलटों का स्वागत किया। स्कूली बच्चों और युवाओं में विशेष रोमांच देखने को मिला। अनेक ⏭ शेष पेज 6 पर

11 बजे प्रारंभ होगा एयर शो

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर आगामी 2 नवंबर को नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम द्वारा इस एयर शो का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 बजे से आयोजित इस एयर शो में भारतीय वायुसेना स्वदेशी हेलीकॉप्टरों के माध्यम से हैरतअंगेज हवाई करतबों, साहसिक उड़ान और उत्कृष्ट समन्वय का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन ⏭ शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के चित्रकार ने नाम दर्ज करने की मांग की

रायपुर। छत्तीसगढ़ महतारी की आधिकारिक तस्वीर बनाने वाले चित्रकार ईश्वर साहू ने राज्य सरकार से राजपत्र में अपना नाम दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को



मुख्यमंत्री कार्यालय में आवेदन देकर राजपत्र में आवश्यक संशोधन कर पुनः प्रकाशन का अनुरोध किया है। भनपुरी रायपुर निवासी ईश्वर साहू के अनुसार, वर्ष 2022 में राज्य सरकार ने उनके बनाए छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र को सरकारी संस्थानों और कार्यालयों में मूर्ति स्थापना तथा आधिकारिक चित्र के रूप में उपयोग के लिए अधिकृत किया था। हालांकि, उनके मुताबिक राजपत्र में चित्रकार के रूप में उनका नाम दर्ज नहीं किया गया। श्री साहू ने बताया कि भारत सरकार के कॉपीराइट कार्यालय ने 21 सितंबर ⏭ शेष पेज 6 पर

दीपावली पर घर लौटने की राह मुश्किल अब तत्काल टिकट में भी लंबी वेटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दीपावली पर घर लौटने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए इस बार रेल सफर मुश्किल होता जा रहा है। महानगरों से रायपुर आने वाली ट्रेनों में पहले ही सामान्य टिकटों की बुकिंग फुल हो चुकी है। अब तत्काल कोटे में भी कन्फर्म टिकट मिलना आसान नहीं रह गया है। खासकर गुजरात के सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद से रायपुर आने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन शहरों से आने वाली प्रमुख ट्रेनों में करीब 20 दिन पहले ही सीटें भर गई थीं। यात्रियों को उम्मीद थी कि तत्काल कोटे में टिकट मिल जाएगा, लेकिन वहां भी लंबी वेटिंग के कारण राहत नहीं मिल पा रही है। हरिभूमि ने 31 अक्टूबर को वडोदरा से रायपुर आने वाली प्रमुख ट्रेनों में तत्काल टिकट की स्थिति की पड़ताल की। अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस, अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस और गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस में स्लीपर श्रेणी में 40 से 50 तक वेटिंग ⏭ शेष पेज 6 पर

गुजरात से रायपुर आने वाली ट्रेनों में कन्फर्म सीट मिलना हुआ मुश्किल स्लीपर के तत्काल में 40 और थर्ड एसी में 46 से अधिक वेटिंग



कनेक्टिंग ट्रेनों का सहारा ले रहे यात्री

सीधी ट्रेनों में सीट नहीं मिलने के कारण अब यात्री कनेक्टिंग ट्रेनों के विकल्प तलाश रहे हैं। सूरत, गांधीधाम और अहमदाबाद से रायपुर आने के लिए कई यात्री भोपाल, दिल्ली, जलगांव और भुसावल जैसे स्टेशनों से ट्रेन बदलकर सफर करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस विकल्प में यात्रा का समय बढ़ सकता है और अलग-अलग ट्रेनों में कनेक्शन के अनुसार टिकट उपलब्धता भी देखनी पड़ रही है।

सामान्य टिकटों में भी लंबी वेटिंग

गुजरात से रायपुर आने वाली ट्रेनों में सामान्य कोटे की स्थिति भी चिंताजनक है। उपलब्ध बुकिंग स्थिति के अनुसार, 1 से 5 नवंबर तक स्लीपर श्रेणी में वेटिंग 130 तक पहुंच गई है, जबकि थर्ड एसी में भी 60 से अधिक वेटिंग चल रही है। लंबी वेटिंग के चलते यात्रियों को टिकट कंफर्म होने की उम्मीद कम नजर आ रही है। त्योहार के दौरान घर पहुंचने की योजना बना रहे लोगों को अब वैकल्पिक साधनों और दूसरे रास्तों पर विचार करना पड़ रहा है।

दिल्ली, पुणे और हावड़ा से भी मुश्किल हुआ सफर

दीपावली से तीन दिन पहले दिल्ली, पुणे और हावड़ा से रायपुर आने वाली प्रमुख ट्रेनों में भी कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। इन रूटों पर सामान्य बुकिंग के साथ तत्काल कोटे में भी लंबी वेटिंग की स्थिति बनी हुई है। लंबी दूरी की ट्रेनों में त्योहार के आसपास यात्रियों की संख्या बढ़ने से वेटिंग 100 से अधिक तक पहुंच रही है। बुकिंग की स्थिति के मुताबिक, रायपुर से महानगरों की ओर जाने वाले यात्रियों को तत्काल कोटे में टिकट मिलने की संभावना अपेक्षाकृत बेहतर है, जबकि महानगरों से रायपुर आने वालों के लिए यह संभावना 20 प्रतिशत से भी कम बताई जा रही है। ऐसे में दीपावली पर घर लौटने की योजना बना रहे यात्रियों के सामने कंफर्म टिकट का इंतजाम सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

प्रवेश रद्द कराने के बाद भी नहीं लौटाई छात्रों की फीस, अब कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कई बार ऐसा होता है कि स्टूडेंट्स किसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते हैं, लेकिन किसी कारणवश अपना एडमिशन तय समय के अंदर कैंसिल करवा देते हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी उन्हें उनका रिफंड देने से मना कर देती है, लेकिन अब इस पर यूनिवर्सिटीज की मनमानी नहीं चलेगी। दरअसल यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) ने हायर एजूकेशन इंस्टिट्यूट की ओर से कैंसिल एडमिशन के बाद फीस रिफंड करने से मना करने पर अलग-अलग राज्यों के गवर्नर से दखल देने की मांग की है। इस कम्यूनिकेशन में तमिलनाडु के 82 इंस्टिट्यूट से जुड़ी 150 शिकायतें लिस्ट की गई हैं, जो एकेडमिक ईयर 2021-2022 से 2025-26 के दौरान कैंसिल हुए एडमिशन से जुड़ी हैं। इन मामलों में स्टूडेंट्स ने 2,535 से 4 लाख रुपए तक फीस दी है। यूजीसी के लिस्टेड इंस्टिट्यूशंस में ⏭ शेष पेज 6 पर

- 15 दिन या उससे ज्यादा पहले एडमिशन कैंसिल करने पर लौटानी होती है पूरी फीस

इन्हें वापस मिलेगी फीस

यूजीसी के नोटिफिकेशन के अनुसार प्रवेश परीक्षा की निर्धारित अंतिम तारीख से 15 दिन या उससे ज्यादा पहले एडमिशन कैंसिल करने पर 100% फीस वापस और 15 दिन से कम समय में 90% फीस वापसी इसके अलावा अंतिम तिथि के 15 दिन बाद 80% और 30 दिन बाद कम से कम 15 दिन काम लेकिन 15 दिन से ज्यादा समय पर 50 और 30 दिन से ज्यादा समय पर कोई वापसी नहीं की जाएगी। यूजीसी ने राज्यपालों को लिखे गए लेटर में छात्रों की फीस वापसी न करने वाले नोटिस में ऐसे संस्थानों की सूची भी जारी कराई है, जिन्होंने फीस वापस नहीं की है। इनमें अकेले उत्तर प्रदेश के 572 मामले हैं, ⏭ शेष पेज 6 पर

SANJAY RUNGTA GROUP OF INSTITUTIONS
KOHKA-KURUD, BHILAI
EXCELLENCE IS GUARANTEE
PROUD TO ANNOUNCE
BEST PRIVATE DENTAL COLLEGE IN CENTRAL INDIA
with 'A' Grade accredited by NAAC
ACCREDITED WITH GRADE A NAAC
RUNGTA COLLEGE OF DENTAL SCIENCES & RESEARCH
(Under The Aegis of Sanjay Rungta Group of Institutions)
Outlook-ICARE Rankings 2026
1st AMONGST PRIVATE DENTAL COLLEGES IN CENTRAL INDIA & 16th AMONGST DENTAL COLLEGES IN INDIA has been RANKED
1st AMONGST PRIVATE DENTAL COLLEGES IN CENTRAL INDIA has been RANKED
By Outlook
By INDIA TODAY
REGISTRATION OPEN
ONLY FEW SEATS LEFT
AC CLASS ROOMS
BDS | MDS
BEST FACULTY • BEST INFRASTRUCTURE • BEST RESULTS
Only college in CENTRAL INDIA offering MDS in ALL 9 specialization
1. Prosthodontics & Crown and Bridge
2. Periodontology
3. Orthodontics & Dentofacial Orthopedics
4. Conservative Dentistry and Endodontics
5. Paediatrics & Preventive Dentistry
6. Oral & Maxillofacial Surgery
7. Oral Pathology & Microbiology
8. Oral Medicine & Radiology
9. Public Health Dentistry
www.rungtacolleges.com
@rungtacolleges
ADMISSION HELP LINE : 9229 111 555, 92293 44402



औद्योगिक जमीन पर कारोबार बदलना आसान, अतिरिक्त भूमि पर सात गुना लीज किराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में उद्योगों को आवंटित जमीन पर उत्पाद, उत्पादन प्रक्रिया या औद्योगिक गतिविधि बदलने के लिए अब अलग से भूमि उपयोग परिवर्तन प्रमाणपत्र (सीएलयू) लेने और नए आवंटन की प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। दूसरी ओर, निर्धारित शर्तों के तहत अतिरिक्त औद्योगिक जमीन का अलग भूखंड बनाना संभव नहीं होने पर उस हिस्से के लिए प्रचलित वार्षिक लीज किराए का सात गुना प्रतिवर्ष चुकाना होगा। राज्य सरकार ने औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने और भूमि उपयोग की प्रक्रिया सरल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में संशोधन किया है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अनुसार, आवंटी आवंटन प्राधिकारी को सूचना देकर अपने भूखंड पर उत्पाद, उत्पादों के मिश्रण, उत्पादन प्रक्रिया या औद्योगिक गतिविधि में बदलाव कर सकेगा। भंडारण, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे अनुमत सहायक औद्योगिक प्रयोजनों में बदलाव भी किया जा सकेगा। प्राधिकारी को सूचना मिलने के 15 कार्यदिवस के भीतर लीज डीड में संबंधित बदलाव दर्ज करना होगा। हालांकि, नई गतिविधि संबंधित भूखंड के लिए स्वीकृत भूमि उपयोग के दायरे में ही होनी चाहिए। पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण और अग्नि सुरक्षा के नियम लागू रहेंगे। नई गतिविधि के लिए प्रीमियम की दर अधिक होने पर अंतर की राशि और लागू लीज किराया देना होगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने औद्योगिक भूमि प्रबंधन नियम बदले


फाइल फोटो

अतिरिक्त जमीन पर सात गुना किराए का प्रावधान

संशोधित नियमों के अनुसार, यदि अतिरिक्त जमीन अलग भूखंड बनाने योग्य नहीं है, न्यूनतम भूखंड आकार से छोटी है, अलग पहुंच मार्ग नहीं है या उसका क्षेत्रफल 300 वर्ग मीटर से कम है, तो उस हिस्से पर प्रचलित वार्षिक लीज किराए का सात गुना प्रतिवर्ष देना होगा। यह भुगतान जमीन का पूरा उपयोग होने या उसे वापस करने तक करना होगा। यदि अतिरिक्त जमीन अलग भूखंड बनाने योग्य है, तो उसे वापस लेकर नियमानुसार प्रीमियम लौटाया जाएगा और ई-नीलामी के माध्यम से आवंटित किया जाएगा।

भूखंडों को जोड़ने और बांटने की सुविधा

संशोधन में एक ही औद्योगिक क्षेत्र के सटे हुए भूखंडों को ऑनलाइन सूचना देकर जोड़ने की व्यवस्था की गई है। उत्पादनरत इकाइयां निर्धारित शर्तों पर अपने भूखंड का उप-विभाजन भी कर सकेंगी। प्रत्येक नए भूखंड का क्षेत्रफल कम से कम 300 वर्ग मीटर होगा और विभाजित भूखंडों का कुल क्षेत्रफल मूल भूखंड के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगा। निजी औद्योगिक इकाइयों को भी निविदा या लीज की शर्तों में अनुमति होने पर निर्मित भवन या शेड की सब-लीज देने की सुविधा मिलेगी। सरकार के अनुसार, ये संशोधन केंद्र सरकार के डी-रेगुलेशन टास्क फोर्स की 'ईज ऑफ लैंड यूज' संबंधी सिफारिशों के अनुपालन और राज्य में औद्योगिक स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए हैं।

खबर संक्षेप



एफडीए की समीक्षा समयबद्धता पर जोर

रायपुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की समीक्षा बैठक में विभिन्न जिलों से आए औषधि अधिकारियों के विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ-साथ निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति पर विशेष जोर दिया गया। ई-फाइलिंग में ब्लड सेंटर्स से संबंधित सभी लंबित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने, औषधि निर्माण इकाइयों का निर्धारित मानकों के अनुरूप निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निलंबन एवं अनुज्ञप्ति निरस्तीकरण से संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने तथा सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से स्थल निरीक्षण कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

भाजपा की रैली स्थगित

रायपुर। प्रदेश भाजपा संगठन ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदेशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" रैली आयोजित करने का फैसला किया है। शनिवार को राजधानी रायपुर में होने वाली रैली को स्थगित कर दिया गया है। अब यह रैली पांच नवंबर को होगी। रैली को स्थगित करने का कारण अहिवारा के भाजपा विधायक का निधन है। रायपुर में होने वाली रैली की तैयारी कर ली गई थी, लेकिन अहिवारा के विधायक के निधन की खबर आने पर प्रदेश भाजपा संगठन ने इस रैली को स्थगित करने का फैसला किया है।

सम्मानित हुए मेधावी विद्यार्थी

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्याल के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आज वार्षिक शैक्षणिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इसमें एमबीबीएस के विभिन्न शैक्षणिक सत्रों एवं विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 40 मेधावी विद्यार्थियों को 65 पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के कुलपति डॉ. पीके पात्रा रहे। चिकित्सा शिक्षा संचालक डॉ. यूएस पैंकरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके साथ ही आयुष विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. जीबी गुप्ता एवं चिकित्सा शिक्षा के पूर्व संचालक डॉ. एसएल आदिले विशेष अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे।

राहुल गांधी का मकसद भारत की व्यवस्था को समाप्त करना

सुधांशु बोले- कांग्रेस वैधानिक प्रक्रिया पर भ्रामक प्रचार कर देश में अराजकता फैलाना चाहती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, कांग्रेस वैधानिक प्रक्रिया पर भ्रामक प्रचार कर देश में अराजकता फैलाना चाहती है। राहुल गांधी का मकसद भारत की व्यवस्था को समाप्त करना है। वोट चोरी की बात करने वाली कांग्रेस देश में 230 सीटों में पहले ही गायब है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, भारत की मजबूती और आर्थिक प्रगति विश्व की बहुत-सी शक्तियों को रास नहीं आ रही है। भारत के अंदर और बाहर सक्रिय यह शक्तियां अनेक तरह के प्रपंच और षड्यंत्र रच रही हैं। डॉ. त्रिवेदी ने कहा, चुनाव की प्रक्रिया में मतदाता सूची सबसे पहले जिला अध्यक्ष को दी जाती है। अगर कांग्रेस पार्टी कहती है कि वहां भी उन्होंने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई, तो क्या वह अपने ही जिला अध्यक्षों को नाकारा बता रही है। उसके बाद सूची राज्य चुनाव आयोग के पास जाती है, वहां भी आपत्ति दर्ज करने का प्रावधान है। यदि वहां भी आपत्ति नहीं की, तो क्या कांग्रेस अपनी प्रदेश इकाई को भी नाकारा बता रही है। इसके बाद यह सूची केंद्रीय चुनाव आयोग के पास जाती है, वहां भी आपत्ति दर्ज की जा सकती है।



राहुल का मकसद भारत की व्यवस्था को समाप्त

डॉ. त्रिवेदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित आंदोलन पर कहा, 10-12 दिन की अज्ञात विदेश यात्रा पर जाकर सैर-सपाटा और तफरीह करके आने के बाद जब तय करेंगे कि कौन-सी तारीख को वो जलवा अफरोज होंगे, तो उस दिन आंदोलन किया जाएगा, भले ही उससे भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव क्यों न पड़े। दिल्ली के जिस क्षेत्र में वे आंदोलन करने जा रहे हैं, वह पूरे उत्तर भारत में व्यापार और वाणिज्य का प्रमुख केंद्र है। और यह जो त्योहार का सीजन होता है नवरात्रि से लेकर दीपावली और छठ पूजा तक गत वर्ष इसमें लगभग 6 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था। डॉ. त्रिवेदी ने सवाल किया कि राहुल गांधी किन शक्तियों से प्रेरित होकर यह कार्य करने का प्रयास कर रहे हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ भारत की व्यवस्था को समाप्त करना नहीं है, क्योंकि राहुल गांधी स्वयं बोल चुके हैं कि उनकी लड़ाई इंडियन स्टेट' से है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा, कांग्रेस पार्टी जो सवाल उठा रही है, वह सवाल दरअसल उनके बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), जिला अध्यक्ष और प्रदेश इकाई से पूछा जाना चाहिए।

230 सीटों में कांग्रेस गायब

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि तथाकथित वोट चोरी का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी देश को बताएँ कि बंगाल का चुनाव 2026 में हुआ है, 2021 में वहां कांग्रेस की कितनी सीटें थी? मतलब जिसका 2.9 प्रतिशत वोट हो और जीरो सीटें हों, वह कह रहे हैं कि 'मेरी चुनरी चोरी हो गई। जो लोग एंटी-इनकम्बेंसी की बात करते हैं, उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि 1967 से कांग्रेस तमिलनाडु से गायब है 39 सीटें। 1977 से पश्चिम बंगाल से गायब है 42 सीटें। 1990 से उत्तर प्रदेश से गायब है। बिहार की 120 सीटों से गायब है। 1995 से गुजरात की 26 सीटों से बाहर है। 1999 से ओड़िशा की 21 सीटों से बाहर है। इसके अलावा त्रिपुरा, सिक्किम, नागालैंड, जहां एक-एक सीट है, वहां से भी गायब है। तो कांग्रेसियों के लिए परम आदरणीय, सम्माननीय और जनता के लिए निंदनीय राहुल गांधी बताएं कि उनके राजनीति में पदार्पण करने से पहले की जो 230 सीटें हैं, उनमें तो कांग्रेस गायब है। इस 230 में 10 सीटें पाने की भी हैसियत नहीं है, तो बचे हुए 300 में आप कैसे सोचते हैं कि 272 आ जाएंगे।

राज्य पुलिस सेवा के 33 अफसरों के तबादले, रायपुर ट्रैफिक संभालने दो और अफसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के 33 अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापनाओं के आदेश जारी किए हैं।

30 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को प्रशासनिक आधार पर तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस फेरबदल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक और सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार रायपुर नगरीय क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को लेकर दो महत्वपूर्ण पदस्थापनाएं की गई हैं। गरियाबंद जिले में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ लतेश सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात), रायपुर नगरीय बनाया गया है। वहीं सुकमा जिले से उप पुलिस अधीक्षक सौरभ उइके को भी सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात), रायपुर नगरीय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा मणिशंकर चंद्रा को पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा से सहायक पुलिस आयुक्त (पुलिस लाइन), रायपुर नगरीय पदस्थ किया गया है। तबादला सूची में कई जिलों के अधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। धमतरी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय को बलरामपुर भेजा गया है, जबकि बिलासपुर में यातायात के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे को कटघोरा, जिला कोरबा की जिम्मेदारी दी गई है। कटघोरा में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश कुमार ठाकुर को बेमेतरा भेजा गया है। इसी तरह नारायणपुर, सूरजपुर, रायगढ़, बालोद, सरगुजा, सुकमा, कोरबा, बस्तर सहित विभिन्न जिलों में भी अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की गई हैं। आदेश में 16वीं और 10वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के अधिकारियों के स्थानांतरण भी शामिल हैं। गृह विभाग द्वारा जारी यह आदेश राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार अवर सचिव सोनचंद साह के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

वोट बचाओ, देश बचाओ रैली के लिए प्रदेश के कांग्रेसी नेता दिल्ली रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पर होने वाली ऐतिहासिक वोट बचाओ देश बचाओ रैली में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में प्रदेशभर से 25 बसों तथा ट्रेनों और हवाई जहाज से रवाना हुए। राजधानी रायपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव विजय जांगिड़, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू ने बीटीआई मैदान पर झंडी दिखाकर 15 बसों में कार्यकर्ताओं को रवाना किया। इसके अलावा कोरबा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, बालोद, राजनांदगांव में भी अलग-अलग बसों से कार्यकर्ता रवाना हुए। प्रदेश से कुल 25 बसें दिल्ली रैली में शामिल होने गई हैं।

- पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, विजय जांगिड़, मलकीत गैंदू ने झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया



प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, यह देश की जनता का ज्ञानेश कुमार और मोदी-शाह की तानाशाही के खिलाफ सीधा महाभियोग है। सत्ता के घमंड में चूर इन शासकों को यह भूलना नहीं चाहिए कि जनता अब कमर कस चुकी है। वोट चोरी और लोकतंत्र का गला घोटने वालों का भूत 1 नवंबर को रामलीला मैदान से उतरा हुआ नजर आएगा। यह आंदोलन केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि देश के संविधान, मतदान के अधिकार और लोकतंत्र को बचाने की निर्णायक लड़ाई है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदेश के कांग्रेस के वार्ड मेंबरों से लेकर पूर्व सांसदों, पीसीसी, एआईसीसी डेलीगेट्स, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्षों की मौजूदगी अपने कार्यकर्ताओं के साथ होगी।



छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में कर्मचारी संघों के लिए शासन का निर्देश

गैर-मान्यताप्राप्त कर्मचारी संगठन शासन से नहीं कर सकेंगे कोई मांग, चिट्ठी लिखी तो माना जाएगा अनुशासनहीनता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों के ऐसे कर्मचारी संघ और संगठन, जिन्हें राज्य शासन से औपचारिक मान्यता नहीं मिली है, अब सीधे शासन को अपनी मांगों और सेवा संबंधी मामलों में पत्र नहीं भेज सकेंगे। शासन ने स्पष्ट किया है कि गैर-मान्यता प्राप्त संगठनों की ओर से सीधे भेजे जाने वाले पत्रों और अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। भविष्य में ऐसे संगठन के नाम से शासन स्तर पर पत्राचार किए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों और संलग्न कर्मचारियों के खिलाफ सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगरीय शासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। यह निर्देश नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के अधिकारियों-कर्मचारियों के संघों पर लागू होगा। विभाग ने अपने निर्देश में कहा है कि यह देखने में आया है कि कई ऐसे अधिकारी-कर्मचारी संघ, जिन्हें राज्य शासन से विधिवत मान्यता नहीं मिली है, वे विभिन्न मांगों और सेवा संबंधी मामलों को लेकर सीधे शासन स्तर पर लगातार पत्राचार कर रहे हैं।



केवल मान्यता प्राप्त संघों के पत्रों पर विचार

शासन ने स्पष्ट किया है कि केवल अधिकृत और विधिवत मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघों के अभ्यावेदन और पत्रों पर ही विचार किया जाएगा। बिना मान्यता प्राप्त किसी भी संघ की ओर से सीधे किए जाने वाले पत्राचार को संज्ञान में नहीं लिया जाएगा। विभाग ने इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी अधिकारी या कर्मचारी की व्यक्तिगत सेवा संबंधी समस्या या मांग होने पर उसे अपने निकाय प्रमुख के माध्यम से उचित प्रक्रिया के तहत अभ्यावेदन प्रस्तुत करना होगा।

पत्राचार जारी रखने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि किसी गैर-मान्यताप्राप्त संघ के नाम से शासन स्तर पर पत्राचार किया जाता है, तो संबंधित पदाधिकारियों और संलग्न कर्मचारियों के विरुद्ध सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शासन ने इस तरह के पत्राचार को अनुशासनहीनता और अनधिकृत कृत्य की श्रेणी में रखा है। यह निर्देश नगरीय निकायों के कर्मचारी संगठनों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे शासन के समक्ष सामूहिक मांगें रखने के लिए मान्यता प्राप्त संघ की भूमिका स्पष्ट होती है। हालांकि, आदेश में कर्मचारी की व्यक्तिगत सेवा संबंधी समस्या के लिए निकाय प्रमुख के माध्यम से आवेदन देने का रास्ता बताया गया है।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937



टाइगर बॉय चंदेरू और टेंम्बू बाघ की दोस्ती, 3-डी पेंटिंग में हर दिव्यांग बेटी और युवा की उड़ान थीम खास

सांस्कृतिक मंच और सरकारी विभागों के विकास प्रदर्शनियों में दिखेगा विकसित छत्तीसगढ़, सशक्त नारी और युवा उड़ान की झलक

रायपुर। शुक्रवार को हरिभूमि की टीम द्वारा राज्योत्सव आयोजन स्थल की लाइव रिपोर्टिंग की गई। इसमें पता चला की राज्योत्सव में एच-1 और एच-2 डोम में 25 सरकारी विभागों के स्टॉल्स का सजावट अंतिम चरण पर चल रहा है। एच-2 डोम में आदिम जाति व अनुसूचित जाति विकास विभाग के स्टॉल में छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, समृद्ध आदिवासी कला, बस्तर व सरगुजा की अनूठी हस्तशिल्प और जनजातीय गौरव को जीवंत रूप से प्रस्तुत करने के लिए टाइगर बॉय चंदेरू और टेंम्बू बाघ, वन भैंसा, हिरण, आदिवासी समाज का विशेष कलात्मक स्टॉल तैयार किया गया है। वहीं एच-1 डोम में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के स्टॉल को जगदलपुर की दंतेश्वरी माता मंदिर का स्वरूप दिया गया है। यहां पर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे चंपारण, बस्तर संभाग के प्रकृतिक स्थलों की झलक देखने को मिल रही है। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग के स्टॉल में थ्री-डी पेंटिंग में हर दिव्यांग बेटी और युवा की उड़ान की जीवंत तस्वीर देखने को मिल रही है।



नवा रायपुर के तूता मेला ग्राउंड में आयोजित 26 वें राज्योत्सव में विकसित छत्तीसगढ़ की झलक देखने को मिलेगी। 1 से 3 नवंबर तक आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस वर्ष छत्तीसगढ़ के 26वें स्थापना दिवस पर लगने वाली 25 सराकरी विभागों के विकास प्रदर्शनियों और स्टॉल्स अलग-अलग थीम पर प्रदर्शित किए गए हैं। इन सरकारी विभागों के स्टॉल्स में लोगों को विकसित छत्तीसगढ़ का प्रतिबिंब देखने को मिलेगा।





'धान का कटोरा' थीम पर सजीव मॉडल

इस प्रकार मुख्य आकर्षण महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्य थीम 'सशक्त नारी' को समर्पित इस स्टॉल में महतारी वंदन योजना, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य और महिलाओं के आत्मनिर्भरता की लाइव झलकियां दिखाई जा रही हैं। वहीं कृषि और ग्रामीण विकास विभाग में 'धान का कटोरा' कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ की आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, जैविक खेती और किसानों की आर्थिक समृद्धि को दर्शाते हुए सजीव मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं।

इन विभागों के स्टॉल भी मुख्य आकर्षण

इस वर्ष के पूरे आयोजन और विभागीय प्रदर्शनियों की मुख्य थीम सशक्त नारी, युवा उड़ान रखी गई है। इसके साथ ही इस बार का विजन नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ और विकसित छत्तीसगढ़ की अवधारणा को समर्पित है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इसके तहत वाणिज्य, उद्योग और व्यापार से जुड़े विभाग छत्तीसगढ़ में निवेश, नए उद्योगों की स्थापना और व्यापारिक सुगमता को मॉडल्स के जरिए प्रदर्शित कर रहे हैं। मानव पूंजी विकास शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार विभाग युवाओं की स्किलिंग और नई उड़ानों की संभावनाओं को हाइलाइट कर रहे हैं। विकसित भारत <\@> 2047 में छत्तीसगढ़ का योगदान इसके तहत बुनियादी ढांचे, लोक निर्माण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों को अत्याधुनिक डिजिटल गैलरी के माध्यम से दिखाया जा रहा है। अंजोर छत्तीसगढ़ यह थीम विशेष रूप से ग्रामीण विकास, अक्षय ऊर्जा और बदलते ग्रामीण परिदृश्य पर केंद्रित है।

मीनाबाजार और फूड जोन का आकर्षण

राज्योत्सव में मुख्य रूप से बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बड़े झूला संचालक अपने आधुनिक और विशालकाय झूले जैसे मिकी माउस, कोलंबस नाव, ब्रेक डांस, और जायंट व्हील लेकर पहुंचे हैं। इसके अलावा यहां लगने वाले मीना बाजार में खरीदारों के लिए विभिन्न राज्यों जैसे सहारनपुर लकड़ी के नक्काशीदार फर्नीचर और सजावटी सामान, फूड जोन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन से लेकर देश भर के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद और मनोरंजन प्रमुख आकर्षण रहेगा।



शिल्प ग्राम और लाइव हितग्राही काउंटर

सभी विकास विभागों के स्टॉल्स में केवल सरकारी योजनाओं और सफल परियोजनाओं को प्रदर्शित ही नहीं किया जा रहा है, बल्कि आम जनता के लिए लाइव काउंटर भी बनाए गए हैं। वहीं मेला परिसर में आने वाले नागरिकों और पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित करने की व्यवस्था की गई है। महिला स्व-सहायता समूह : स्थानीय स्तर पर महिलाओं और ग्रामीण कारीगरों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों जैसे कोसा सिल्क, हस्तशिल्प, हर्बल उत्पाद के प्रदर्शन और बिक्री के लिए विशेष बाजार क्षेत्र तैयार किया गया है।

आसमान में दिखेगा 'सारंग' का शौर्य और हुनर, पांच हेलिकॉप्टर आसमान में बनाएंगे दिल, तिरंगा और डायमंड की आकृति



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के दौरान इस बार आसमान में भी रोमांच का नजारा देखने को मिलेगा। नवा रायपुर एयरपोर्ट पर भारतीय वायुसेना की सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम एरोबैटिक शो प्रस्तुत करेगी। इसमें पांच स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव एक साथ उड़ान भरकर आसमान में अलग-अलग आकृतियां बनाएंगे।

करीब 15 मिनट के इस शो में कभी दिल, कभी डायमंड तो कभी इंडिया फॉर्मेशन देखने को मिलेगा। इसके अलावा हेलिकॉप्टरों के बीच शानदार तालमेल और सटीक उड़ान के जरिए कई रोमांचक हवाई करतब भी प्रस्तुत किए जाएंगे। रीजनल पीआरओ डिफेंस देवर्थो धर ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शो की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सारंग टीम अपने प्रदर्शन के दौरान करीब 10 तरह के फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखाएगी। पांचों हेलिकॉप्टरों की एक साथ उड़ान और हवा में बदलती आकृतियां दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेंगी।

आसमान में दिल और डायमंड की आकृति

सारंग टीम के प्रदर्शन में कई आकर्षक फॉर्मेशन शामिल हैं। इनवर्टेड वाइनग्लास फॉर्मेशन में पांचों हेलिकॉप्टर हवा में उल्टे गिलास जैसी आकृति बनाएंगे। इंडिया फॉर्मेशन में हेलिकॉप्टरों की उड़ान से देश के आकार की विशेष आकृति दिखाई देगी। वहीं, डायमंड फॉर्मेशन में पांचों हेलिकॉप्टर हीरे जैसी बनावट में एक साथ उड़ान भरेंगे। हार्ट फॉर्मेशन शो का एक खास आकर्षण होगा। इसमें हेलिकॉप्टरों से निकलने वाले सफेद धुएं के जरिए आसमान में दिल की आकृति बनाई जाएगी। यह दृश्य दर्शकों को रोमांचित करने के साथ-साथ यादगार भी बनाएगा।

डॉल्फिन लीप और क्रॉस ओवर ब्रेक से बढ़ेगा रोमांच

शो के दौरान केवल आकृतियां ही नहीं, बल्कि कई चुनौतीपूर्ण हवाई करतब भी देखने को मिलेंगे। डॉल्फिन लीप में हेलिकॉप्टर डॉल्फिन की छलांग जैसी गति से तेजी से ऊपर उठते और नीचे आते दिखाई देंगे। क्रॉस ओवर ब्रेक में हेलिकॉप्टर एक-दूसरे के सामने से गुजरते हुए अलग-अलग दिशाओं में मुड़ेंगे। डबल एरो क्रॉस में हेलिकॉप्टरों के दो समूह तीर जैसी आकृति बनाकर एक-दूसरे को क्रॉस करेंगे। वहीं, मेश फॉर्मेशन में हेलिकॉप्टर एक-दूसरे के उड़ान मार्ग से गुजरते हुए जाल जैसी आकृति तैयार करेंगे। लेवल क्रॉस में अलग-अलग दिशाओं से एक ही ऊंचाई पर उड़ते हुए हेलिकॉप्टर एक-दूसरे को पार करेंगे। इसके अलावा सारंग स्प्लिट में सभी हेलिकॉप्टर तेजी से अलग-अलग दिशाओं में बिखरते नजर आएंगे।

लाइव इवेंट

साइबर सुरक्षा केवल कंप्यूटर और नेटवर्क की सुरक्षा तक सीमित नहीं



रायपुर। नवा रायपुर ट्रिपल आईटी में साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फॉरेंसिक्स माइनर प्रोग्राम तथा अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला का शुभारंभ किया गया। शुक्रवार को संस्थान में आयोजित इस शुभारंभ समारोह में साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नींव रखा गया।

इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान ट्रिपल आईटी हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए, जिससे साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान, विशेषज्ञ प्रशिक्षण एवं प्रयोगशाला विकास को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में ट्रिपल आईटी हैदराबाद के निदेशक एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ प्रो. संदीप के शुक्ला मुख्य अतिथि तथा इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ मेसिना के प्रो. पास्क्वाले डी मेओ विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में संस्थान के कुलपति एवं निदेशक प्रो. ओपी व्यास ने अपने संबोधन में कहा कि आज साइबर सुरक्षा केवल कंप्यूटर और नेटवर्क की सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि ऊर्जा, परिवहन, स्वास्थ्य, बैंकिंग, उद्योग तथा देश की महत्वपूर्ण डिजिटल अधोसंरचनाओं की सुरक्षा से सीधे जुड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि एआई और इंटेलिजेंट साइबर फिजिकल सिस्टम्स के तेजी से विस्तार के साथ नई सुरक्षा चुनौतियां सामने आ रही हैं। इनसे निपटने के लिए उच्चस्तरीय अनुसंधान, अंतरविषयक शिक्षा एवं व्यावहारिक तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है।

साइबर सुरक्षा में एजेंटिक एआई की बढ़ती भूमिका

मुख्य अतिथि प्रो. संदीप के. शुक्ला ने साइबर सुरक्षा में एजेंटिक एआई की बढ़ती भूमिका पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने साइबर खतरों की पहचान, सुरक्षा प्रणालियों के स्वचालन तथा एआई आधारित साइबर सुरक्षा समाधानों की संभावनाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रो. पास्क्वाले डी मेओ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अपने विचार साझा किए।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ले रहे भाग

संस्थान में 28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक फंडामेंटल्स ऑफ साइबर सिक्यूरिटी विषय पर आठ दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें बीटेक, एमटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं एमटेक सीएमआईटी के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के अंतर्गत नेटवर्क सुरक्षा, साइबर खतरों की पहचान, डिजिटल फॉरेंसिक्स, वेब एप्लिकेशन सुरक्षा, फायरवॉल, एआई आधारित सुरक्षा तकनीकों तथा साइबर घटनाओं की जांच पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बच्चों के भावनात्मक विकास पर फोकस शिक्षकों को सिखाए तनाव पहचानने के तरीके

रायपुर। स्कूलों में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होटल सयाजी में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यूनिसेफ ने समग्र शिक्षा के सहयोग से इस प्रशिक्षण का आयोजन किया, जबकि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की स्कूल इनिशिएटिव फॉर मेंटल हेल्थ एडवोकेसी तकनीकी साझेदार रहा।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और व्याख्याताओं को बच्चों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक करना और उन्हें आवश्यक सहयोग देने के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण में बताया गया कि किशोरावस्था की शुरुआती अवधि बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण चरण है। इस दौरान



पढ़ाई, प्रतिस्पर्धा और भविष्य को लेकर बच्चों पर कई तरह का दबाव रहता है। ऐसे में स्कूलों में सुरक्षित, सकारात्मक और सहयोगपूर्ण वातावरण तैयार करना जरूरी है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को बच्चों के व्यवहार और भावनाओं को समझने, तनाव के शुरुआती संकेतों की पहचान करने तथा उससे निपटने के सरल तरीके बताए गए।

शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे

बस्तर संभाग के सातों जिलों और धमतरी जिले से चयनित शिक्षकों व व्याख्याताओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के बाद ये मास्टर ट्रेनर्स अपने-अपने जिलों में अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। समग्र शिक्षा के उप संचालक श्री कौशिक ने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बच्चों पर पढ़ाई और करियर का दबाव बढ़ रहा है। बच्चों को अनावश्यक दबाव से मुक्त रखकर उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार भविष्य निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है। यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की प्रमुख सीमा कुमार ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल में सुरक्षित और सम्मानित महसूस होना चाहिए। वहीं शिक्षा विशेषज्ञ रवि राज दयाल ने कहा कि बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार के साथ उनके मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

जीवन विद्या के 28वें राष्ट्रीय सम्मेलन में लोग करेंगे संवाद

रायपुर। जीवन विद्या के 28वें राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। आगामी 25, 26 और 27 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के अभ्युदय संस्थान अछोटी में यह सम्मेलन होगा। सम्मेलन का केंद्रीय विषय 'चेतना विकास मूल्य शिक्षा-संस्कार : परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था का आधार' निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों सहित विदेशों से भी लगभग 1500 से 2000 प्रतिनिधियों के शामिल होंगे। सम्मेलन में मध्यस्थ दर्शन सह-अस्तित्ववाद के प्रणेता ए. नागराज के विचारों के प्रकाश में चेतना विकास, मूल्य शिक्षा-संस्कार तथा परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था पर विचार-विमर्श होगा। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से मानवीय मूल्यों पर आधारित सामाजिक व्यवस्था की स्थापना के लिए किए जा रहे प्रयासों, अनुभवों और प्रयोगों को साझा मंच प्रदान करना है।

सामाजिक विषयों पर प्रबुद्ध वक्ता करेंगे चर्चा

सम्मेलन को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक और व्यावहारिक स्वरूप देने के लिए कई विषयों पर मंच संवाद होंगे। इसमें युवा अध्येताओं के साथ वरिष्ठ विचारकों को भी अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। मानवीय जीवन शैली, ए. नागराज की जीवन यात्रा, मध्यस्थ दर्शन तथा व्यवस्था के पांच आयामों से संबंधित प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। इनके बीच कई समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों, उत्पादन गतिविधियों और मानवीय जीवन शैली से जुड़े प्रयोगों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्नर न्यूज

मारुति फाउंडेशन एंड हेरिटेज इंडिया के द्वारा गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

टैलेंट 2.0 में दिव्यांग ने दिखाई प्रतिभा आत्मविश्वास से जीता जजेस का दिल

रायपुर। मारुति फाउंडेशन एंड हेरिटेज इंडिया के द्वारा 'टैलेंट 2.0' गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन शांतिनगर स्थित विमतारा भवन में किया गया। इस प्रतियोगिता में दिव्यांग और सामान्य बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में 6 से 20 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उचित मंच प्रदान करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और समाज में समान अवसरों को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फाउंडेशन की अध्यक्ष मेघा तिवारी ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया जा सकता है। उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी।



कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में छायांकन निर्देशक रोनी चंदेल, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नृत्यांगना एकता पंसारी, छत्तीसगढ़ आइडल संदीप रॉय जाधव, समाजसेविका नेहा पांडेय तथा गायिका एवं आध्या शक्ति महिला मंच की अध्यक्ष श्वेता घुरई शामिल रहीं। हेरिटेज इंडिया की ओर से सभी अतिथियो का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

ऐसे आयोजन बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने दिव्यांग और सामान्य बच्चों को समान अवसर प्रदान करने तथा उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर देते हैं। आयोजन के माध्यम से दिव्यांग और सामान्य बच्चों को एक साथ मंच प्रदान कर समानता, समावेशिता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाजसेवियों के योगदान को सम्मान देने पर भी विशेष जोर दिया गया।

समाज लाइव

दिव्यांग बालिकाओं के सहायतार्थ दो अंकी नाटक का 4 को मंचन



रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में चार नवंबर को मंचित होने वाले मराठी नाटक 'सेलिब्रेशन' की टिकट जारी किए जाने के महज दो दिनों में मराठी भाषियों के बीच जोरदार माहौल बनने लगा है। अभी से आधे सभागृह की सीटों के टिकटें बिक चुकीं हैं। सीमित संख्या में टिकट होने के कारण इसे लेकर होड़ मचना तय है। मंडल के ही दिव्यांग बालिका विकास गृह सहायतार्थ होने वाले प्रशांत दळवी लिखित व प्रसन्न विजय निमोणकर निर्देशित 100 मिनट के लोकप्रिय नाटक 'सेलिब्रेशन' के लिए तैयारी जारी हैं। 'सेलिब्रेशन' के मार्गदर्शक प्रा. अनिल श्रीराम कालेले बताया कि कुछ दशकों तक घर-घर जाकर टिकट बेचने की परंपरा थी। इससे न केवल रंगप्रेमी दर्शक बल्कि पूरा समाज अपनी संस्कृति से जुडता है। एक बार फिर टिकट के माध्यम से नाटक देखने की परंपरा को पुनर्जीवित करना चाहते हैं, ताकि न सिर्फ नाटक देखने के लिए थियेटर तक आने का रुझान दर्शकों में बढ़े, बल्कि इससे हम महाराष्ट्र मंडल के निवासरत 30 दिव्यांग बालिकाओं के आवास, शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए कुछ योगदान भी दे सकें।

कलाकारों ने अब शुरू किया है अभ्यास करना

निर्देशक प्रसन्न निमोणकर ने बताया कि 'सेलिब्रेशन' मराठी रंगमंच का लोकप्रिय नाटक है, जिसका वर्षों से सैकड़ों बार मंचन महाराष्ट्र में अनेक नाट्य संस्थाओं ने किया है। फिर भी यह नाटक बेहद सामयिक विषय 'बिखरे परिवार और टूटते रिश्ते-नाते को एकजुट करने' पर आधारित है। नाटक में कई व भूमिकाओं के माध्यम से हर आयुवर्ग का प्रतिनिधित्व होने के कारण इससे हर कोई डायरेक्ट कनेक्ट होता है। पहली बार रंगमंच पर उतर रहे दो युवा कलाकारों प्रांजल बक्षी और अर्थव महावादी सहित हर पीढ़ी का शानदार समन्वयन नाटक 'सेलिब्रेशन' में देखने को मिलेगा।

सिटी लाइव

दस कोटि नशा मुक्ति जन प्रतिज्ञा महाअभियान में पहला स्थान



रायपुर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा नाराकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुरूप रायपुर संभाग में पन्द्रह लाख से अधिक लोगों को इस महाअभियान से जोड़कर रायपुर सेवाकेन्द्र पूरे देश में पहले स्थान पर रहा। इसके लिए संस्थान द्वारा माउण्ट आबू में वैश्विक शिखर सम्मेलन में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी को सम्मानित भी किया। ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग द्वारा आयोजित इस देशव्यापी महाअभियान का वर्चुअल आगाज 2 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी द्वारा नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत के अन्तर्गत किया था। इसमें मेडिकल विंग द्वारा दस कोटि जन प्रतिज्ञा हासिल करने का लक्ष्य रखा गया था, इसमें अब तक देश में कुल आठ कोटि जनप्रतिज्ञा हासिल की जा चुकी है।

स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

रायपुर सेवा केन्द्र की इस उपलब्धि पर माउण्ट आबू में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी शाह और जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. अशोक मेहता द्वारा रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी को विशेष स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पुरस्कार ग्रहण करते समय इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी भी उपस्थित थी। रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने नशामुक्ति जनप्रतिज्ञा महाअभियान में सहयोग प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन सहित नगर के विभिन्न स्कूलों, कालेजों, सामाजिक संगठनो और प्रबुद्धजनों का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह सम्भव हो सका।

आराधना

अपने वोट को जानें अभियान से लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति युवाओं को किया जागरूक



रायपुर। दिशा कॉलेज में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'मेरा युवा भारत–विकसित भारत युवा संवाद : अपने वोट को जानें' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि माय भारत के असिस्टेंट डायरेक्टर रमन पटेल, यूथ आइकन एवं छत्तीसगढ़ शासन के डिप्टी एडवोकेट जनरल सुयश पाण्डेय और कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ए.के. तिवारी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया गया। युवा संवाद के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विद्यार्थियों से मतदान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका से जुड़े सवाल किए। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का जवाब देते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

युवा देश का भविष्य हैं

प्राचार्य डॉ. ए.के. तिवारी ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक कर्तव्यों की समझ भी जरूरी है। रमन पटेल ने विकसित भारत यंग लीडर्स कार्यक्रम 2027 और एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी दी। वहीं सुयश पाण्डेय ने मतदान को अधिकार के साथ नागरिक जिम्मेदारी बताते हुए युवाओं से परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ. ए. पूजा नारायण ने किया।

● मोतीचूर लड्डू और रसमलाई के आकार में बाजार में उपलब्ध स्वीट कैंडल्स, 120 से 1100 रुपए तक है कीमत

दिवाली पर बाजार में छाईं मिठाई जैसी दिखने वाली कैंडल्स इमरती से काजू कतली तक के डिजाइन, गिफ्टिंग के लिए बढ़ी मांग

दिवाली के लिए बाजार में इस बार मिठाइयों के साथ मिठाई जैसी दिखने वाली कैंडल्स भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। पहली नजर में इमरती, काजू कतली, मोतीचूर लड्डू और रसमलाई जैसी दिखने वाली ये कैंडल्स असल में मोम से तैयार की गई हैं। इन्हें स्वीट कैंडल्स कहा जाता है। पारंपरिक मिठाइयों के आकार में बनी ये मोमबत्तियां अलग-अलग खुशबू में उपलब्ध हैं। फेस्टिव सीजन में इन्हें सजावट के साथ गिफ्ट देने के लिए भी पसंद किया जा रहा है। बाजार में इनकी कीमत 120 रुपए से लेकर 1100 रुपए तक है।



रायपुर। स्वीट कैंडल्स को पारंपरिक भारतीय मिठाइयों के साथ अन्य खाने-पीने की चीजों के आकार में तैयार किया जा रहा है। बाजार में रसगुल्ला, रसमलाई, काजू कतली, मोतीचूर लड्डू, इमरती और गुझिया के अलावा चाय-बिस्किट, चॉकलेट शेक और चॉकलेट वेफर्स जैसे डिजाइन भी उपलब्ध हैं। इन कैंडल्स में अरोमा, वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, लेमन, रोज, लैवेंडर, कोकोनट और क्रैनबेरी जैसी खुशबू के विकल्प मिल रहे हैं। हैंडमेड कैंडल मेकर सुजीता रॉय के अनुसार, खुशबूदार कैंडल्स को लोग गिफ्ट देने के लिए अधिक खरीद रहे हैं। आकर्षक डिजाइन और अलग-अलग फ्रेगरेंस के कारण ये सामान्य मोमबत्तियों से अलग नजर आती हैं।

नए ट्रेंड से जुड़ी खास बातें इस प्रकार हैं

- ***इमरती और काजू कतली:*** *बिल्कुल असली मिठाई जैसी दिखने वाली इन कैंडल्स को देखकर पहली बार में धोखा हो जाता है कि यह मोमबत्ती है या खाने की मिठाई।*
- ***ट्रेंडिंग कॉर्पोरेट और पर्सनल गिफ्ट:*** *लोग इस बार अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और ऑफिस के सहयोगियों को पारंपरिक गिफ्ट पैक की बजाय इन 'मिठाई कैंडल्स' के खूबसूरत हैंपर गिफ्ट कर रहे हैं।*
- ***गुलाब जामुन, मोदक और सोन पापड़ी:*** *ट्रेडिशनल मिठाइयों के अलावा मोदक और रसगुल्ले के आकार की कैंडल्स भी बच्चों और बड़ों को बहुत लुभा रही हैं।*
- ***लंबे समय तक रहने वाली यादें:*** *खाने वाली मिठाइयां कुछ दिनों में खत्म हो जाती हैं, लेकिन ये खूबसूरत कैंडल्स घर की सजावट में लंबे समय तक बनी रहती हैं और अपनी भीनी-भीनी खुशबू से घर को महकाती हैं।*



सिलिकॉन मोल्ड में तैयार होती है कैंडल्स

कैंडल मेकर मनीषा वर्धन बताती हैं कि इन कैंडल्स को बनाने के लिए मोम को पिघलाकर सिलिकॉन मोल्ड में डाला जाता है। आकार देने के लिए अलग-अलग डिजाइन के सांचों का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें रंग मिलाकर इन्हें मिठाइयों जैसा रूप दिया जाता है। इसके बाद मोम को ठोस होने के लिए छोड़ दिया जाता है। कैंडल मेकर पूनम पोपटानी के मुताबिक, कैंडल्स में खुशबू के लिए ऑयल-बेस्ड फ्रेगरेंस का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कुछ बूंदें पिघले हुए मोम में मिलाई जाती हैं। सही मात्रा में मोम, रंग और सुगंधित तेल का इस्तेमाल करने से कैंडल का आकार और खुशबू बेहतर बनी रहती है। सांचे में डालने के बाद इसे लगभग दो घंटे तक ठोस होने के लिए रखा जाता है।

सोया वैक्स से भी बन रही कैंडल्स

इन कैंडल्स को बनाने में सोया वैक्स का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे निर्धारित तापमान पर पिघलाकर उसमें रंग और सुगंध मिलाई जाती है। इसके बाद तैयार मिश्रण को सांचे में डालकर आकार दिया जाता है। कैंडल मेकर्स के अनुसार, सोया वैक्स से बनी कैंडल्स भी ग्राहकों के बीच पसंद की जा रही हैं। दिवाली पर सजावट और गिफ्टिंग के लिए बाजार में उपलब्ध ये स्वीट कैंडल्स पारंपरिक मिठाइयों का आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। हालांकि, मिठाई जैसी दिखने के कारण इन्हें असली खाने की चीजों से अलग रखकर इस्तेमाल करना जरूरी है।

नुक्कड़ नाटक से भ्रष्टाचार के खिलाफ दिया संदेश, विजेताओं को किया सम्मानित

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुक्रवार को समापन हुआ। सप्ताहभर चले इस आयोजन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस वर्ष आयोजन की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' रखी गई थी। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. प्रभात दीवान, सहायक सतर्कता अधिकारी डॉ. विवेक अग्निहोत्री, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. बाजपेयी ने कहा कि प्रतियोगिताएं केवल पुरस्कार जीतने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि इनके जरिए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास भी होता है। इनमें भागीदारी से मिलने वाले अनुभव और कौशल भविष्य के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में उपयोगी साबित होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को परिणाम की चिंता किए बिना सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।



वाद-विवाद सह भाषण प्रतियोगिता भी

सप्ताह के दौरान लिटराटी क्लब की ओर से हिंदी और अंग्रेजी में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिंदी में राजमणि ने प्रथम और निखिल कौशिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता में अक्षांश तिवारी प्रथम, विश्वेश मिश्रा द्वितीय और महेश माणिकपुरी तृतीय रहे। वहीं, राजभाषा समिति के तत्वावधान में 'शास्त्रार्थ 2.0' के अंतर्गत वाद-विवाद सह भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें ऋषभ गुप्ता ने प्रथम, सिया सिंह ने द्वितीय और स्वप्निल चौबे ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. प्रभात दीवान ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही की भावना विकसित करना है। समापन अवसर पर संस्थान के अभिनय क्लब ने 'झूठ का बाजार' शीर्षक से नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से भ्रष्टाचार की सामाजिक चुनौतियों को उजागर करते हुए ईमानदारी और सामूहिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

मंत्रोच्चार के साथ आहुति से गीता कथा की विश्रांति

रायपुर। मां कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट भारत वर्ष के संयोजन में आयोजित त्रिदिवसीय गीता ज्ञान अमृत वर्षा गीता कथा का शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं जड़ी बूटियों की आहुतियों से भव्य हवन के साथ कथा को विश्रांति दी गई। सुबह साढे सात बजे से भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी के माध्यम से वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा हवन में भक्ति-भाव से सर्व शांति एवं विश्व कल्याण की कामनाओं के साथ अपनी कामनाओं का स्मरण करते हुए लोगों ने स्वाहा-स्वाहा का जयघोष किया और आहुतियां डाली।

आयोजन संस्था की कल्पना शुक्ला ने बताया कि विधि-विधान से भोग-भंडारे से पहले गुरुदेव ने त्रिदिवसीय गीता के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन जीने की कला से अवगत



कराया और भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप का वर्णन किया। बताया कि श्री कृष्ण हम सभी के समीप हर अच्छी चीजों में समाहित हैं। श्री संकर्षण शरण जी ने कहा कि हर एक व्यक्ति को दैनिक जीवन में धर्म और ईश्वर की लीलाओं की चर्चा करनी चाहिए।

वाणी याद रहती है और वह अपने पथ से नहीं भटकता

उन्होंने संस्था द्वारा चलाए जा रहे प्रातः कालीन दैनिक धर्म चर्चा के बारे में भी जानकारी दी। इस धर्म चर्चा में सभी उम्र, और सभी वर्ग के लोग जुड़ते हैं और रोज दिए गए विषय या ईश्वर की लीलाओं पर चर्चा करते हैं कि यह कथा कैसे हमारे जीवन के नैतिक मूल्यों से जुड़ी है। कैसे सदमार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। गुरुजी कहते हैं कि जब व्यक्ति अपने दिन की शुरुआत ही ऐसे पॉजिटिव चीजों से करता है, तो उसका दिन स्वतः अच्छा व सफल हो जाता है। उसे ईश्वर की वाणी याद रहती है और वह अपने पथ से नहीं भटकता। श्री संकर्षण शरण ने बताया कि यह धर्म चर्चा रोज गूगल मीट के माध्यम से प्रातः 7.25 से प्रारंभ हो सुबह 8.30 बजे तक चलती है। लोग रोज इसमें ईश्वर की लीलाओं का चिंतन करते हैं। जो व्यक्ति रोज ईश्वर की लीलाओं का चिंतन करता है वह जिंदगी भर चिंता मुक्त रहता है।

कार्नर न्यूज

प्राचीन मंदिरों में 8 नवंबर की रात लक्ष्मी पूजा की परंपरा निभाने जुटेंगे भक्त

भगवान नारायण-लक्ष्मी के प्राचीन आस्था केन्द्र से जुड़ी कई मान्यताएं, पूजा उत्सव में शामिल होते हैं भक्त परिवार

शहर के ब्राह्मपुरी (पुरानी बस्ती) क्षेत्र में बूढ़ातालाब के पास स्थित श्री विरंचिनारायण मंदिर का इतिहास 1100 वर्ष से भी अधिक पुराना है। 9वीं-10वीं शताब्दी में हैहयवंशी राजाओं के शासन काल में निर्मित यह ऐतिहासिक धरोहर वास्तुकला और दुर्लभ धार्मिक महत्ता से जुड़ा है। प्रतिवर्षों की तरह ही इस दीपावली यानी 8 नवंबर को उत्सव का माहौल रहेगा। कुछ इसी तरह का नजारा 200 वर्ष से अधिक पुराने रामकुंड स्थित श्री लक्ष्मी-नारायण मंदिर में भी देखने को मिलेगा। इस बार भी लोगों को विशेष पूजा और श्रृंगार दर्शन का लाभ मिलेगा। इस बार भी प्रमुखों ने परंपरा निभाने तैयारी शुरू की है।

रायपुर। पुरानी बस्ती क्षेत्र में यह छत्तीसगढ़ का इकलौता विरंचिनारायण धाम है। जहां दीपावली पर्व पर विशेष रूप से आस्था का माहौल बनता है। इस अनोखे मंदिर का इतिहास और आध्यात्मिक महत्व भी विशेष है। मंदिर के महंत देवदास ने बताया कि मंदिर की दीवारें और छत पूरी तरह पत्थरों से ही निर्मित हैं। जिनकी मोटाई लगभग 3.5 फीट है। सदियों पुराने इस मंदिर की बनावट आज भी अक्षुण्ण है। इसके गर्भगृह में अष्टधातु की एक दुर्लभ और अलौकिक प्रतिमा स्थापित है। इसमें भगवान विष्णु क्षीर सागर में 11 फनों वाले शेषनाग की शय्या पर विराजमान हैं। उनकी नाभि से निकले कमल पर सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा (विरंचि) बैठे हैं। माता लक्ष्मी भगवान विष्णु के चरण दबा रही हैं। एक ही स्थान पर ब्रह्मा, विष्णु और महालक्ष्मी की संयुक्त प्रतिमा इस मंदिर को दुर्लभ बनाती है। दीपावली सुख, समृद्धि और वैभव का त्योहार है। इस दौरान श्री विरंचिनारायण मंदिर में भक्तों का तांता लगता है।

भक्त करते हैं विशेष दीपदान और पूजा

महंत वेद प्रकाशाचार्य ने बताया कि दिवाली पर्व पर इस प्राचीन मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगता है। इस बार 8 नवंबर की रात लक्ष्मी पूजन के बाद विभिन्न क्षेत्रों जैसे सदर बाजार, सत्ती बाजार, तात्यापारा और पुरानी बस्ती से लोग भगवान लक्ष्मी नारायण के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। परिवार की सुख-समृद्धि एवं व्यापार में वृद्धि की कामना करने लोग घर में पूजा करने के बाद आते हैं। दिवाली के दौरान मंदिर की भव्य सजावट की जाती है।



मालगुजार ने बनवाया था दिव्य मंदिर

रामकुंड क्षेत्र स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर ट्रस्ट के महंत वेद प्रकाशाचार्य महाराज ने बताया कि पूर्व के महंतों से जानकारी मिली है कि वर्ष 1880 के आसपास अयोध्या के हनुमानगढ़ी से आए आजानबाहु तपस्वी बलदेव दास ने मंदिर स्थल पर कुटिया बनाकर साधना शुरू की थी। राम भक्त होने के कारण तपस्वी बलदेव दास ने अपनी कुटिया के पास ही एक सिद्ध 'रामकुंड' का निर्माण किया। जहां दूर-दूर से लोग दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचते थे।

शाम से बनता है उत्सव का माहौल

महंत देवदास ने बताया कि महालक्ष्मी और नारायण की संयुक्त पूजा इस बार भी दीपावली पर विधि-विधान से का जाएगी। मंदिर में माता लक्ष्मी अपने स्वामी भगवान विष्णु (नारायण) और सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा जी के साथ साक्षात विराजमान हैं। यहां दिवाली के दिन दर्शन करने से भक्तों को ऐश्वर्य, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। दीपावली के विशेष अवसर पर एक अति प्राचीन और चमत्कारिक शंख के दर्शन कराने की अनूठी परंपरा है। शंख को देखने और आशीर्वाद लेने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। दिवाली की रात मंदिर को दीपों की रोशनी से आकर्षण का केन्द्र बनता है। व्यापारी और आम नागरिक अपने नए बहीखातों और जीवन में समृद्धि की मनोकामना लेकर यहां विशेष पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं।

खबर संक्षेप

राज्य खो-खो के लिए पायल व क्षमा का चयन



अभनपुर। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय 19 वर्षीय बालिका खो-खो प्रतियोगिता के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरकेरा की कुमारी छमा साहू एवं कु. पायल यदु का चयन हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 28 अक्टूबर तक खैरागढ़ में संपन्न हुआ। छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रमिला सिंह, व्याख्याता महेन्द्र मन्नाडे, कोच भीम राज तारक सहित समस्त विद्यालयीन स्टाफ ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय कुश्ती स्पर्धा के लिए रघुवीर यदु दिल्ली रवाना

आरंग। मातृ सदन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदिर हसौद के होनहार छात्र और कुश्ती के धुरंधर रघुवीर यदु ने अपने दमदार खेल के दम पर एक बार फिर क्षेत्र का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में चयनित होने के बाद रघुवीर अपना जौहर दिखाने के लिए राजधानी दिल्ली रवाना हो चुके हैं। उनकी इस बड़ी उपलब्धि से पूरे मंदिर हसौद क्षेत्र और विद्यालय परिवार में जश्न जैसा माहौल है। रघुवीर की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और उनके कोच ओंकेश्वर सोनवानी का सटीक मार्गदर्शन है। कोच की देखरेख में पसीना बहाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। इसके साथ ही विद्यालय की प्राचार्य प्रेमशीला एक्का और शाला विकास समिति के अध्यक्ष अशोक वर्मा का निरंतर प्रोत्साहन खिलाड़ियों को हमेशा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की ऊर्जा देता रहा है। दिल्ली के राष्ट्रीय अखाड़े में उतरने जा रहे रघुवीर से पूरे छत्तीसगढ़ और मंदिर हसौदवासियों को बेहद उम्मीदें हैं।



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चक्रवर्ती को दी विदाई

सिलयारी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसीवां के खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी अनुबाला चक्रवर्ती की कार्यावधि पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं सहकर्मियों ने श्रीमती अनुबाला चक्रवर्ती के कार्यकाल के दौरान उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा, सहयोग एवं स्वास्थ्य विभाग में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में स्वास्थ्य योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने और मैदानी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने में अहम भूमिका निभाई।

अहिवारा विधायक के निधन पर भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

अभनपुर। अहिवारा विधानसभा विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के निधन पर अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, हृदयराम साहू, भरत बैस, सूरज लाल साहू, गौरव शर्मा, वरुण राठी, किशोर शर्मा, पार्षद रूपनारायण साहू, श्रीमती मीना साहू, दिलीप अग्रवाल, संतोष सिन्हा एवं शिवनारायण बघेल सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की। सभी ने उनके निधन को भाजपा परिवार एवं छत्तीसगढ़ की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

निधन

धनमत वर्मा

आरंग। ग्राम सोनभट्ठा निवासी 61 वर्षीया धनमत वर्मा का शुक्रवार को पूर्वान्ह में आकस्मिक निधन हो गया। वह स्वर्गीय भूषण लाल वर्मा की पत्नी, थानेश्वर, देवेश, उदय व अनिता वर्मा की माँ थी। अंतिम संस्कार सोनभट्ठा के मुक्तिधाम में अपराह्न में संपन्न हुआ।

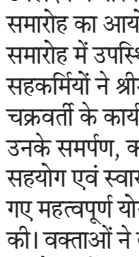

बाहनाकाड़ी के पंथी दल ने जयपुर कलाग्राम में बिखेरी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदखुरी

जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में गुरु घासीदास बाबा के संदेशों पर आधारित पंथी नृत्य की शानदार प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित करते हुए आरंग क्षेत्र के ग्राम बाहनाकाड़ी के युवा जागृति पंथी नृत्य दल ने राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम (कलाग्राम) में शानदार प्रस्तुति दी। 27 अक्टूबर से 6 नवंबर तक आयोजित 11 दिवसीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव में दल के कलाकारों ने बाबा गुरु घासीदास जी के संदेशों पर आधारित पारंपरिक पंथी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

पारंपरिक सफेद वेशभूषा और पैरों में घुंघरू बांधे कलाकारों ने मांदर और झांझ की थाप पर पंथी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। नृत्य के दौरान कलाकारों द्वारा बनाए गए हैरतअंगेज पिरामिड, शानदार शारीरिक संतुलन और अद्भुत तालमेल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।



15 कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति

दल के मुख्य संचालक वेदप्रकाश माहेश्वरी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस मंच पर छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और सतनाम परंपरा को प्रस्तुत करना गौरव का विषय है। इस आयोजन के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने का अवसर मिला है। दल के सभी 15 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और सामूहिक समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इनमें वेदप्रकाश माहेश्वरी, गोकुल टोडर, रणवीर कुठे, संतोष कोसले, गणेश कोसले, संजय कोसले, चरणदास कोसले, लेखराम नारंग, सूरज मारकंडे, परमेश्वर भारती, किशन कुर्रे, दौलाल कुर्रे तथा देव कुमार कोसले सहित अन्य युवा कलाकार शामिल रहे।

समाज एवं जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई : ग्राम बाहनाकाड़ी के पंथी नृत्य दल की इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, आदर्श ग्राम पंचायत बाहनाकाड़ी के सरपंच अशोक बंजारे, सचिन धर्म बंजारे, युवा नेता राजेंद्र माहेश्वरी, प्रगति सिंह, छत्तीसगढ़ सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रदीप सारंगी, दिनेश बंजारे, अश्वनी बबलू एवं त्रिवेंद्र सहित समाज के अनेक लोगों ने कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं, छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज के प्रथम पद्मश्री सम्मानित डॉ. आर.एस. बारले तथा राष्ट्रीय पुरस्कार उस्ताद बिस्मिल्लाह खान सम्मान से सम्मानित दिनेश जांगड़े ने भी दल के कलाकारों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। ग्राम बाहनाकाड़ी के युवा कलाकारों की इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और गुरु घासीदास बाबा के विचारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दल की इस प्रस्तुति से क्षेत्रवासियों एवं सतनामी समाज में हर्ष का माहौल है।

समाज में एकता, संगठन और आपसी सहयोग की भावना मजबूत होगा

सीएम साय नरदहा में आज करेंगे नवनिर्मित सभा कक्ष का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरपोंगी



लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा 31 अक्टूबर को नरदहा स्थित बहुउद्देशीय भवन में लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के केंद्रीय पदाधिकारियों एवं राज प्रधानों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए नरदहा स्थित भवन में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप की अध्यक्षता में केंद्रीय पदाधिकारियों एवं राज प्रधानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जयंती समारोह की तैयारियों, अतिथियों के स्वागत, कार्यक्रमों के संचालन तथा सामाजिक सहभागिता को लेकर चर्चा की गई। साथ ही आयोजन को व्यवस्थित एवं गरिमामय बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती समाज के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में एकता, संगठन और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने समाज के लोगों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। वहीं 31 अक्टूबर, शनिवार को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यक्रम में बहुउद्देशीय भवन के नवनिर्मित सभा कक्ष एवं अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया जाएगा। इसके साथ ही भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन होगा। वहीं डॉ. खूबचंद बघेल शिक्षण समिति के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर स्वामी आत्मानंद विद्यापीठ के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि होंगे, जबकि समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप अध्यक्षता करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल और राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा को विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं समाज के केंद्रीय पदाधिकारियों, सभी राज प्रधानों, प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों तथा स्वजातीय बंधुओं की सहभागिता से आयोजन को व्यापक स्वरूप देने की तैयारी है। केंद्रीय मीडिया प्रभारी शेखर वर्मा ने बताया कि समाज की ओर से सभी सामाजिक प्रतिनिधियों एवं स्वजातीय बंधुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।

मोहमेला में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन धड़ल्ले से जारी



आरंग। विकासखंड आरंग की ग्राम पंचायत मोहमेला में महानदी से कथित अवैध रेत उत्खनन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पिछले करीब दो वर्षों से महानदी में बड़े पैमाने पर रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। इस पूरे कारोबार में ग्राम पंचायत की सरपंच और सरपंच पति की भूमिका पर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, महानदी से रेत निकालने के लिए प्रतिदिन 5 से 6 जेसीबी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं, करीब 80 से 100 हाईवा एवं अन्य भारी वाहनों के माध्यम से रेत का परिवहन और बिक्री किए जाने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों का अनुमान है कि इस कारोबार से प्रतिदिन लगभग 8 से 10 लाख रुपये का रेत कारोबार हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस कथित अवैध कारोबार से गांव के कुछ लोगों, सरपंच और सरपंच पति सहित इसमें शामिल अन्य लोगों को भारी आर्थिक लाभ हो रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि लंबे समय से जारी इस कारोबार के चलते संबंधित लोगों की करोड़ों रुपये की कमाई होने की आशंका है, जबकि शासन को मिलने वाले खनिज राजस्व का नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि इस गतिविधि को स्थानीय स्तर पर संरक्षण मिल रहा है तथा कुछ राजनीतिक, प्रशासनिक एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की संभावित मिलीभगत की भी जांच होनी चाहिए। रेत उत्खनन के साथ अब ग्रामीण सड़कों की स्थिति भी बड़ा मुद्दा बनती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिदिन सैकड़ों हाईवा और अन्य भारी वाहनों के गुजरने से गांव की सड़कों पर लगातार दबाव पड़ रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही के चलते ग्रामीण सड़कों की हालत खस्ता होती जा रही है।

बरसते पानी में आरएसएस ने किया पथ संचलन, राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग



विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा आरंग नगर में भव्य एवं अनुशासित पथ संचलन का आयोजन किया गया। अनंत तूफान के चलते बरसते पानी के बावजूद स्वयंसेवकों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी और उन्होंने बरसते पानी के बीच कदम से कदम मिलाकर नगर भ्रमण किया। यह संचलन स्थानीय बाबा बागेश्वर नाथ मंदिर से प्रारंभ होकर अग्रसेन भवन होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। पूरे मार्ग में स्वयंसेवकों का अनुशासन देखते ही बन रहा था। विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। संचलन का समापन सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल परिसर में हुआ, जहां बौद्धिक एवं औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आरंग थाना प्रभारी नरेश साहू उपस्थित थे तथा अध्यक्षता नगर संघचालक रामू मिर्धा ने की।

- जगह-जगह स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया

विजयादशमी साधना और उपासना का पर्व : मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. तेजराम जलक्षत्री मंचासीन रहे, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन नगर कार्यवाह मुरारी लोधी द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. तेजराम जलक्षत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विजयादशमी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि साधना और उपासना का पर्व है। यह अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की शाश्वत विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा, /"नागपुर की पावन धरा पर संघ का जो बीज बोया गया था, वह आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में एक विशाल वटवृक्ष का आकार ले चुका है।/" उन्होंने युवा पीढ़ी से राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने और संघ से जुड़कर देश सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही स्वयंसेवकों को अनुशासन, संकल्प और आत्मनिर्भरता के साथ तन-मन-धन से समाज के उत्थान में जुटने की प्रेरणा दी।

कांग्रेस की महारैली के लिए हजार कांग्रेसी दिल्ली रवाना

सिलयारी। लोकतंत्र की रक्षा और मताधिकार की सुरक्षा के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेसजन 1 नवंबर को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विशाल महारैली एवं आंदोलन में शामिल होंगे। इस दौरान निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठाएंगे। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष (ओबीसी विभाग) भावेश बघेल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है। प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित होना आवश्यक है।

सीएम तीर्थ यात्रा योजना के तहत 88 श्रद्धालु बैद्यनाथ धाम रवाना

आरंग। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आज जनपद पंचायत आरंग से बाबा बैद्यनाथ धाम (झारखंड) की पावन यात्रा के लिए 88 श्रद्धालुओं के जत्थे को पूरे उत्साह और भक्तिमय माहौल के साथ रवाना किया गया। जनपद पंचायत परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने दोनों बसों को हरी झंडी दिखाकर रायपुर के लिए रवाना किया। आरंग से रवाना हुए सभी तीर्थयात्री रायपुर पहुंचेंगे, जहां से वे विशेष तीर्थ ट्रेन के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ जी के दर्शन के लिए यात्रा पर निकलेंगे। दर्शन और पूजन संपन्न कर सभी श्रद्धालु आगामी 2 नवंबर को वापस लौटेंगे। रवानगी के समय तीर्थयात्रियों के चेहरों पर बाबा के दर्शन की विशेष खुशी और उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष टिकेश्वरी मुरली साहू, जनपद उपाध्यक्ष रिंकू (रविंद्र) चंद्राकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष देवनाथ साहू, भाजपा महामंत्री अशोक चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मुरली साहू तथा वरिष्ठ भाजपा नेता के.के. भारद्वाज, पार्षद संतोष लोधी, उमाकांत यादव, पार्षद प्रतिनिधि खिलेश धुरंधर, तोषण साहू, विक्रम परमार, संतोष चंद्राकर, पद्मिनी साहू, राजेश्वरी साहू, संगीता साहू सहित स्थानीय नागरिक व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और उन्होंने सभी यात्रियों की मंगलमय व सुखद यात्रा की कामना की।



करवा चौथ में सुहागिनों को मुश्किल से हुआ चांद का दर्शन फिर तोड़ा व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग



पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की मंगलकामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने गुरुवार को करवा चौथ का निर्जला व्रत पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ रखा। दिनभर भूखी-प्यासी रहकर पति की दीर्घायु की कामना करने वाली महिलाओं को शाम होते ही चंद्र दर्शन का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन आसमान में छाए घने बादलों ने उनके इंतजार को लंबा कर दिया। चांद की एक झलक पाने के लिए महिलाएं बार-बार आसमान की ओर निहारती रहीं, मगर बादलों की ओट में चंद्रमा के छिपे रहने से कई महिलाओं को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। करवा चौथ को लेकर सुबह से ही घरों में उत्साह व उल्लास का माहौल रहा। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की और करवा माता की कथा सुनकर अखंड सौभाग्य की कामना की। दिनभर निर्जला व्रत रखने के बाद शाम को सोलह शृंगार कर पूजा की थाली सजाई गई। छतों और घरों के आंगन में महिलाएं चांद निकलने की राह ताकती नजर आईं। मौसम की बेरुखी के चलते चंद्र दर्शन में हो रही देरी ने उनकी उत्सुकता और बेचैनी दोनों बढ़ा दी। लंबे इंतजार के बाद भी जब बादलों के बीच चांद की झलक नहीं मिली तो कई महिलाओं ने तकनीक का सहारा लिया। भोपाल, जबलपुर, इंदौर, नागपुर सहित अन्य शहरों में रहने वाले परिचितों और रिश्तेदारों से वीडियो कॉल के माध्यम से चंद्रमा के दर्शन किए। वहीं, कुछ महिलाओं ने मोबाइल पर चांद की तस्वीर और वीडियो देखकर व्रत की परंपरा पूरी की। इस तरह आसमान में बादलों का पहरा रहा, लेकिन आस्था और तकनीक के मेल ने सुहागिनों के चंद्र दर्शन की राह आसान कर दी। मान्यता के अनुसार करवा चौथ का व्रत चंद्रमा को अर्घ्य देने और पति का चेहरा देखने के बाद ही पूर्ण होता है। यही वजह रही कि चंद्र दर्शन में देरी के बावजूद महिलाओं ने धैर्य बनाए रखा।

- तूफान और बारिश के वजह से चांद बदलों में छुपा लेकिन अंतत: हुआ दर्शन

तूफान ने किसानों के महीनों की मेहनत फेर दिया पानी

धरसींवा क्षेत्र में चक्रवात से फसलें बर्बाद, सर्वे कराके मुआवजा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

छत्तीसगढ़ के धरसींवा और तिल्दा क्षेत्र के किसानों के लिए यह साल भारी संकट और बर्बादी लेकर आया है। अन्नदाताओं को इस वर्ष प्राकृतिक आपदा की दोहरी और तीखी मार झेलनी पड़ रही है। मौसम की बेरुखी और प्रशासनिक जटिलताओं के बीच पिस रहे किसानों की सुध लेने के लिए अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आवाजें तेज हो गई हैं। हाल ही में क्षेत्र में आए अर्बन तूफान और बेमौसम बारिश ने खेतों में लहलहाती फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पानी में मिल गई है।

किसानों को भारी नुकसान

संकट की इस घड़ी में किसानों के दर्द को बयां करते हुए पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा ने एक जनसभा और उद्बोधन के दौरान कहा कि आज छत्तीसगढ़ का किसान पूरी तरह से असहाय महसूस कर रहा है।

चक्रवात के कहर से फसलें हुईं चौपट, सर्वे की मांग



तरपोंगी। चक्रवात के प्रभाव से क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। तरपोंगी अंचल के सैकड़ों किसानों की खेतों में लहलहाती धान की पकी फसलें पूरी तरह जमीन पर बिछ गई हैं। खेतों में पानी भर जाने और बालियों के कीचड़ में दबने से फसल खराब होने की कगार पर है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का अंदेशा सता रहा है। फसल क्षति को देखते हुए जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और किसानों की बदहाली पर गहरी चिंता जताई।

शुरुआत से लेकर अंत तक प्रकृति ने किसानों के साथ क्रूर मजाक किया है। बुवाई के शुरुआती दौर में लगातार हुई तेज बारिश के कारण धान के बीज जमीन में ठीक से अंकुरित नहीं हो पाए थे।

सर्वे कराएं और उचित मुआवजा दें

इस गंभीर स्थिति को लेकर कांग्रेस किसान नेता धर्मेंद्र वर्मा ने भी कड़े शब्दों में सरकार के रवैये की आलोचना की और किसानों के हक में आवाज उठाई। अपने उद्बोधन में धर्मेंद्र वर्मा ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार को इस आपदा को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्रभावित किसानों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देना चाहिए, ताकि किसानों को उनकी मेहनत की फसल के नुकसान की भरपाई मिल सके और उनके परिवारों का भरण-पोषण हो सके।

खून-पसीने की कमाई आंखों के सामने चौपट

भाजपा नेता व सहकारी सोसायटी अध्यक्ष धरसींवा ने सरकार से विनम्र निवेदन करते हुए कहा कि इस साल धरसींवा अंचल के किसानों के हिस्से में सिर्फ आंसू और बर्बादी आई है। पहले मौसम की बेरुखी और केमिकल युक्त पानी ने खेतों में लहलहाती फसल को सड़ा डाला, और रही-सही कसर हालिया बेमौसम बारिश व तूफान ने पूरी कर दी। जिन हाथों ने महीनों तक दिन-रात एक करके अपनी संतान की तरह फसल को पाला था, आज वही अन्नदाता अपनी बर्बाद होती मेहनत को देखकर बेबस खड़े हैं। कुदरत के इस क्रूर मजाक ने किसानों की कमर पूरी तरह तोड़ दी है।



खबर संक्षेप



छत्तीसगढ़ थर्ड एलायंस की हुई बैठक, मनोज बने कार्यकारी संयोजक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय हितों, जनाधिकारों और वैकल्पिक राजनीतिक मंच की संभावनाओं को लेकर 25 अक्टूबर को रायपुर स्थित होटल बेबीलॉन कैपिटल हॉल में छत्तीसगढ़ थर्ड एलायंस की महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस संपन्न हुई। बैठक में कांग्रेस और भाजपा से अलग विभिन्न राजनीतिक दलों, क्षेत्रीय संगठनों एवं जनआंदोलनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने मनोज बंजारे को सर्वसम्मति से छत्तीसगढ़ थर्ड एलायंस का कार्यकारी संयोजक नियुक्त करने की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही एलायंस की संपूर्ण कमेटी के गठन, आगामी बैठक के आयोजन तथा साझा राजनीतिक कार्ययोजना को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक में साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करने, सभी सहभागी दलों एवं संगठनों को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देने तथा पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया विकसित करने पर जोर दिया गया। आगामी बैठक दुर्ग संभाग में आयोजित होगी। बैठक में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

हत्या की कोशिश, तीन सगे भाई गिरफ्तार



रायपुर। पुराने विवाद के कारण युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले तीन सगे भाइयों को पुरानी बस्ती पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो आदतन बदमाश हैं। जितेंद्र सिंह उर्फ गजनी की शिकायत पर पुलिस ने कुशालपुर निवासी अश्विनी तिवारी, लखन तिवारी, प्रकाश तिवारी को गिरफ्तार किया है। अश्विनी तथा लखन आदतन बदमाश हैं। तीनों के खिलाफ पुलिस ने हत्या की कोशिश सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

देशी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी थाने की पुलिस ने एक आदतन बदमाश को देशी कट्टा लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने टिकेश्वर साहू उर्फ टिकू को गिरफ्तार किया है। आरोपी अशोक नगर के पास कट्टा लेकर घूम रहा था। आरोपी के खिलाफ पूर्व में मारपीट, धमकी एवं आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत पांच आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी अपराधिक घटना को अंजाम देने की नीयत से कट्टा लेकर घूम रहा था।

सूने मकान में चोरी, 3 गिरफ्तार

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र के डगनिया के सूने मकान में सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी करने वाले तीन शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने डेढ़ लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवर जब्त किए हैं। स्वरोचिष मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने यशंवत उर्फ लक्की दास मानिकपुरी, शेख मोसिन उर्फ अल्ताफ तथा परमेश्वर निर्मलकर उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया है।

प्रसवपूर्व आनुवांशिक जांच की सुविधा अब एम्स में, सिकलसेल के नियंत्रण में होगा बड़ा कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सिकलसेल, एनीमिया, थैलेसीमिया जैसे आनुवांशिक रोगों के जांच प्रसव पूर्व हो जाएगी। एम्स ने प्रसवपूर्व आनुवांशिक निदान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। देश के नए एम्स में पहले रायपुर के संस्थान में जांच के लिए नमूने भी संग्रहित किए जाएंगे। इसे सिकलसेल के नियंत्रण के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रो. डॉ. जेस्सी अब्राहम के नेतृत्व वाली यह प्रयोगशाला देश के नवस्थापित एम्स संस्थानों में इस प्रकार का पंजीकरण प्राप्त करने वाली पहली तथा छत्तीसगढ़ की एकमात्र शासकीय प्रयोगशाला बन गई है। सुविधा के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस तथा अन्य प्रकार के जेनेटिक और विशिष्ट प्रकारों की डीएनए आधारित जांच की जाएगी।

ऐसी आनुवंशिक बीमारियों से प्रभावित बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के साथ नियमित रक्त आधान और लंबे समय तक उपचार की आवश्यकता हो सकती है। डीएनए जांच से बीमारी के लिए जिम्मेदार आनुवांशिक बदलावों की पहचान कर समय पर निदान एवं उचित चिकित्सकीय परामर्श में मदद मिलेगी।



देश के नए एम्स में पहला केंद्र बना रायपुर, जांच के लिए संग्रहित किए जाएंगे नमूने

डीएनए आधारित जांच की विशेषता यह है कि इसके माध्यम से सिकल सेल रोग के लिए जिम्मेदार आनुवंशिक बदलावों की सीधे पहचान की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, गर्भावस्था के दौरान एम्नियोटिक द्रव (गर्भजल) के नमूने से भी जांच की जा सकती है, जिससे गर्भस्थ शिशु में विशिष्ट आनुवांशिक रोगों की पहचान संभव हो सकेगी। छत्तीसगढ़ सिकल सेल प्रभावित क्षेत्र में आता है तथा यहां सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया और अन्य हीमोग्लोबिन संबंधी रोगियों की संख्या अधिक है। यह सुविधा प्रदेश के परिवारों को प्रसवपूर्व आनुवंशिक जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराने में सहायक होगी। साथ ही यह भारत सरकार के राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को जनस्वास्थ्य की समस्या के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य को भी सहायता प्रदान करेगी।

गाइड लाइन सिर्फ कागजों पर, अवैध कारोबार के साथ बांस बल्ली, कपड़ा के पंडालों से बनी दुकानों में बिक रहे पटाखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में जिला, पुलिस, नगर निगम प्रशासन तथा जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग की नाक के नीचे पटाखों की अवैध दुकानों के साथ नियमों का पालन किए बिना दुकानें खुल गई हैं। हरिभूमि ने शुक्रवार को शहर के कई इलाकों में पटाखा दुकानों की पड़ताल की। इस दौरान कई जगह पर जहां बिना लाइसेंस एवं अनुमति के सड़कों पर अवैध रूप से पटाखों की दुकानें खुली मिलीं। ये दुकाने बांस-बल्ली, कपड़ा से बनी हुई है, जबकि सेनानी-अग्निशमन विभाग की गाइड लाइन में सख्त हिदायत दी गई है कि कोई भी अस्थाई दुकान टिन के शेड से बनी होनी चाहिए। इन दुकानों में सुरक्षा के भी कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। इससे इन दुकानों में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे जान-माल का भी नुकसान होने की संभावना है। इधर कई स्थाई दुकानें भी बिना लाइसेंस जारी हुए खुल गई हैं, जहां सुरक्षा के इंतजाम तय गाइड लाइन के तहत नहीं हैं।

दीपावली के अवसर पर रायपुर जिले में संचालित स्थाई एवं खुलने वाली अस्थाई पटाखा दुकानों के लिए जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग के जिला अधिकारी ने गाइड लाइन जारी की है। इस गाइड लाइन के अनुसार स्थाई एवं अस्थाई पटाखा दुकान में आग से बचाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने हैं। 5 किलो क्षमता के डीसीपी अग्निशामक यंत्र, 200 लीटर क्षमता का ड्रम पानी से भरा, बाल्टी की व्यवस्था की जानी है। इसके अलावा ट्रांसफार्मर एवं हाईटेंशन तार के नीचे दुकान न रहे, पार्किंग की व्यवस्था रहे सहित अन्य कई नियम जारी किए गए हैं। ये सभी नियम तो कागजों में जारी किए गए हैं, लेकिन इसका पालन किया जा रहा है या नहीं, इसकी जांच करना तो दूर निगरानी तक नहीं की जा रही है।

अस्थाई-स्थाई पटाखा दुकानों में सुरक्षा के इंतजाम नहीं



सड़कों पर अवैध दुकानें लगने पर निगम प्रशासन मौन

नगर निगम प्रशासन द्वारा हर साल की तरह इस बार भी दीपावली के लिए हिंद स्पोर्टिंग्स मैदान पर अस्थाई पटाखा बाजार की लॉटरी के माध्यम से दुकानें आबंटित की गई हैं। यहां गाइड लाइन के अनुसार सभी दुकानें टिन के शेड से बन रही हैं। नियम के तहत सभी दुकान एक-दूसरे से 3-3 मीटर की दूरी पर हैं। सुरक्षा की दृष्टि से यहां अग्निशमन यंत्र के साथ दमकल विभाग की गाड़ी एवं पानी के ड्रम, बाल्टी भी यहां रखते जाते हैं, लेकिन शहर में सड़कों के किनारे खुल चुकी अवैध दुकानों को लेकर निगम प्रशासन ने चुप्पी साधी हुई है। उनके खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर, हटाया तक नहीं जा रहा है।

इन इलाकों में भी कई जगह अस्थाई दुकानें नियमों के विरुद्ध खुल गईं

भाठागांव, तेलीबांधा, पंडरी-मोवा, डंगनिया, चंगोराभाठा-रायपुरा, महादेव घाट रोड, गोलबाजार सहित अन्य कई स्थान हैं, जहां स्थाई एवं अस्थाई पटाखा की दुकानों में गाइड लाइन का पालन नहीं किया जा रहा है। इनमें कई दुकानें तो बिना लाइसेंस के खुल गई हैं।

पुलिस कमिश्नरेट का निर्देश भी कागजों तक सीमित

पुलिस कमिश्नरेट की ओर से भी पटाखा दुकानों को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसे लेकर एक दिन पहले ही बैठक भी हुई है, जिसमें निर्धारित एवं अनुमत स्थानों पर पटाखा दुकानें लगाने के साथ नियमों का पालन करने पटाखा कारोबारियों को निर्देश दिए गए हैं, लेकिन ये निर्देश भी सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। शहर में ऐसे कई इलाके हैं, जहां थानों के कुछ दूरी पर ही बिना लाइसेंस एवं नियमों के विरुद्ध पटाखों की दुकानें खुल गई हैं, जिनके खिलाफ पुलिस भी कार्रवाई करने से बच रही है।

3 साल से जांच टीम का गठन नहीं

जिला प्रशासन पटाखा बिक्री के लिए स्थाई एवं अस्थाई लाइसेंस जारी करता है। इस बार भी अस्थाई के लिए 210 आवेदन किए गए हैं। विभागीय सूत्र के अनुसार इनमें से अभी तक मात्र 30 से 40 दुकानों को ही लाइसेंस जारी किया है। इसी प्रकार स्थाई दुकानों के लिए 14 आवेदन में अब तक लगभग 5 से 7 लाइसेंस जारी किए गए हैं। प्रशासन द्वारा लाइसेंस बिना पटाखा बिक्री करने वालों पर निगरानी रखने एवं जांच करने के लिए पहले समिति का गठन किया जाता था, लेकिन पिछले 3 साल से समिति गठित नहीं की गई है।

केस 1

टिकरापारा थाना से महज 50 मीटर दूर मुख्य सड़क पर नियमों के विरुद्ध पटाखा की अस्थाई दुकान खुल गई है। पंडालनुमा खुली दुकान में नियमों का भी कोई पालन नहीं किया जा रहा है। संजयनगर से संतोषीनगर मार्ग पर इस तरह की कई दुकानें खुली हुई हैं।

केस 2

न्यू राजेंद्र नगर-अमलीडीह मार्ग पर भी सड़क किनारे पटाखों की अस्थाई दुकानें खुल गई हैं। ये दुकानें भी बांस-बल्ली एवं कपड़ों से बनी हुई हैं, जहां सुरक्षा की दृष्टि से कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

केस 3

महावीर नगर में भी कुछ जगह पर स्थाई एवं अस्थाई दुकानें खुली हुई हैं। इनमें से कुछेक के पास तो पटाखा बिक्री का लाइसेंस भी नहीं है।

सवारी बनकर ऑटो में पॉकिटमारी, दो गिरफ्तार

सवारी का ध्यान भटकाने उल्टी करने का झांसा देकर उड़ाए थे 21 हजार



रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र में 13 दिन पूर्व ऑटो सवारी का ध्यान भटकाकर 21 हजार रुपए पॉकिटमारी करने वाले दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 17 हजार 500 रुपए जब्त किया है। घटना में इस्तेमाल ऑटो को भी पुलिस ने जब्त किया है। आरोपियों को पुलिस ने घटना स्थल पर मिले सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया है।

हासिम खान की शिकायत पर पुलिस ने मूलतः उत्तरप्रदेश, मिर्जापुर निवासी सोमनाथ शुक्ला, दुर्ग, छावनी निवासी हरदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 17 अक्टूबर को वह अपने निजी कार्य से रायपुर सिटी जाने के लिए गाजीनगर गेट के पास से एक ऑटो में सवार हुआ था। ऑटो में पहले से दो व्यक्ति बैठे हुए थे। ऑटो के व्यास तालाब चौक के पास पहुंचने पर एक व्यक्ति ने उल्टी करने का बहाना बनाकर उसका ध्यान भटकाया। इसी दौरान दूसरे व्यक्ति ने पैंट की जेब में रखे रुपए चोरी कर लिए।

प्रतिबंधित टेबलेट के साथ गिरफ्तार तीन को कैद के साथ जुर्माना

रायपुर। देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व दो हजार के करीब प्रतिबंधित टेबलेट के साथ गिरफ्तार तीन आरोपियों को विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की कोर्ट ने कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू के अनुसार कोर्ट ने रायपुर निवासी संजय उर्फ सोनू सूर्यवंशी, ओडिशा कालाहांडी निवासी पूर्ण चंद साहू को 20-20 वर्ष कैद के साथ तीन-तीन लाख जुर्माना तथा एक अन्य सह आरोपी वनासुदेव पाण्डे उर्फ बाबू को 10 वर्ष कैद तथा एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपियों को पुलिस ने 19 तथा 23 मई 2025 को पारस नगर ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया था।

अन्नपूर्णा एग्रो का लाइसेंस निलंबित, केएफसी से राइस बॉल, मिठाईवाला से पेड़ा, बर्फी के सैंपल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बेसन सहित अन्य खाद्य पदार्थ तैयार करने में बरती जा रही लापरवाही के लिए भनपुरी औद्योगिक क्षेत्र के अन्नपूर्णा एग्रो का लाइसेंस 3 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। यहां फरसाण फ्लोर में मिलावट के संदेह में जांच के लिए सैंपल भी उठाए गए हैं। वहीं मैग्नेटो मॉल के केएफसी के राइस बॉल (इडली) तथा राजेन्द्र नगर के मिठाईवाला के पेड़ा और बर्फी को जांच दायरे में लाया गया है।

दिवाली को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल के निर्देश पर मैदानी अमले की खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच जा रही है। शुक्रवार को शिकायतों और सोशल मीडिया पर आई जानकारी के आधार पर एफडीए की टीम ने भनपुरी के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित श्री अन्नपूर्णा एग्रो में दबिश दी। यहां बेसन, फरसाण फ्लोर सहित अन्य आटा का निर्माण किया जाता है। जांच के दौरान वहां इन खाद्य पदार्थों के निर्माण में भारी लापरवाही मिली जो स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इस आधार पर संस्थान का लाइसेंस 3 दिन के



खाद्य एवं औषधि प्रशासन का त्योहारी अभियान जारी

निलंबित कर दिया है। मिलावटी होने और खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन नहीं करने के संदेह में फरसाण फ्लोर (चना दाल सहित अन्य बेसन) का सैंपल जांच के लिए उठाया गया है। इसी तरह जांच टीम ने मैग्नेटो मॉल स्थित केएफसी में जांच करते हुए राइस बॉल और न्यू राजेन्द्र नगर के मेसर्स अग्रवाल मिठाईवाला के पूजा पेड़ा औऱ डोडा बर्फी का लीगल नमूना लिया। अभिहित अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि नमूनों का जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2006 के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेता की गाड़ी से पीडीएस चावल की हेराफेरी, थाने पहुंचा मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में एक भाजपा नेता की गाड़ी से पीडीएस चावल की हेराफेरी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पार्षद सहित कुछ कांग्रेस नेताओं ने उरला थाने में शिकायत भी की है। इस शिकायत में भाजपा नेता भीखम देवांगन पर आरोप लगाया गया है कि उसके द्वारा हितग्राहियों का चावल सस्ते में खरीद कर महंगे दाम पर बेचा जा रहा है। इधर मामला थाने पहुंचने के बाद भाजपा नेता भी थाने पहुंच गए। उन्होंने आरोप को गलत बताते हुए कहा कि अपने परिवार के 10 कार्ड का चावल लेने के लिए उसने राशन दुकान में गाड़ी भेजी थी, लेकिन दूसरे हितग्राहियों के कोटे का चावल भी उसमें लोड किया गया है। इसकी जानकारी उसे भी नहीं है। इधर इस मामले में पुलिस का कहना है कि यह मामला खाद्य विभाग से संबंधित है, इसलिए इसकी जानकारी विभाग को दे दी गई है। विभाग अब इस मामले की जांच करेगा।



बिरगांव नगर निगम के वार्ड क्रमांक 25 में एक राशन दुकान में एक छोटा हाथी में करीब 20 कट्टा पीडीएस चावल लोड कर ले जाने की तैयारी की जा रही थी। इस गाड़ी पर कुछ कांग्रेस नेताओं की नजर पड़ी, जिसमें पार्षद डिकेंद्र सिन्हा भी है। पार्षद सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने इस गाड़ी को पकड़ा और थाने ले गए। इधर गाड़ी के पकड़े जाने की सूचना पाकर उसके संचालक भाजपा नेता भीखम देवांगन भी थाने पहुंचे। कांग्रेस पार्षद डिकेंद्र सिन्हा ने बताया कि भीखम देवांगन करीब 22 कार्ड लेकर थाने पहुंचे थे तथा गाड़ी में लोड चावल उनके रिश्तेदारों का होना बता रहे थे, जबकि जिस राशन दुकान से यह चावल वाहन में भरा गया है, वहां पकड़ाए चावल से संबंधित कार्ड धारक कार्ड लेकर पहुंचे ही नहीं थे।

कई कार्ड धारकों का चावल एक साथ ले जाना भी संदेह के घेरे में

एक वाहन में 20 कट्टा पीडीएस चावल को भरकर ले जाना भी संदेह के घेरे में है। इस मामले में वाहन मालिक भीखम देवांगन ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि उसने चावल लेने के लिए गाड़ी भेजी है, लेकिन उनका यह भी कहना है कि उसके परिवार के ही लगभग 10 राशन कार्ड हैं, जिनका चावल लेने के लिए उसने गाड़ी भेजी थी। इन सभी कार्ड धारकों की एंट्री पहले ही हो चुकी है। हालांकि सवाल यह है कि इन कार्डों के अलावा गाड़ी में अतिरिक्त चावल पाया गया है, जो कहीं न कहीं पीडीएस चावल की खरीदी-बिक्री का मामला लगता है।

शिकायत आई है विभाग को सौंप दिया

पीडीएस चावल की खरीदी-बिक्री की शिकायत आई है। थाने में पूछताछ के बाद खाद्य विभाग को मामला सौंप दिया है। इस मामले में अब खाद्य विभाग जांच करेगा। विभाग का प्रतिवेदन आने पर इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- रोहित मानेलेकर
थाना प्रभारी, उरला

जांच की जा रही

इस मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। जांच में अगर पीडीएस चावल की खरीदी-बिक्री का मामला साबित होता है, तो दोषियों के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी।

भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक

निगम मुख्यालय में

आयुक्त संबित मिश्रा ने ली समीक्षा बैठक

दिवाली के पूर्व सभी जोन वार्डों में सफाई व स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधारने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के कई इलाकों में कालोनियों, मोहल्ले, बस्ती के मुख्य मार्गों से लेकर उद्यानों में लगी स्ट्रीट लाइट खराब होने के कारण बंद पड़ी हुई हैं। आयुक्त संबित मिश्रा ने शुक्रवार को सभी विभागों की समीक्षा बैठक ली, जिसमें उन्होंने दीपावली को देखते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहार के पूर्व सभी वार्डों की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।

नगर निगम मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में आयुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में विभिन्न कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेकर गहन समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को अपने-अपने जोन में व्यवहारिक आवश्यकतानुसार स्वच्छता लक्षित ईकाइयो का विकास करने एवं जन-जन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने कार्य करने कहा। उन्होंने सभी जोन में दीपावली त्योहार के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया।



अतिक्रमण-कचरा फैलाने, अवैध होर्डिंग मामले में कार्रवाई पर दिया जोर

आयुक्त ने बैठक में सभी जोन कमिश्नरों को कचरा फैलाने, मार्गों पर अतिक्रमण करने, अवैध विज्ञापन होर्डिंग लगाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर प्रकरण तैयार कर ई-जुर्माना के माध्यम से कार्रवाई की जाए। इस दौरान उन्होंने सभी जोन के राजस्व विभाग द्वारा प्रतिदिन एवं साप्ताहिक की गई राजस्व वसूली की कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि लक्ष्य के अनुसार राजस्व वसूली की कार्रवाई करें।

अवैध कालोनी, प्लाटिंग-निर्माण पर सख्ती से करें कार्रवाई

आयुक्त ने जोन कमिश्नरों को अवैध प्लाटिंग, अवैध निर्माण एवं अवैध कालोनियों के संबंध में नियमानुसार प्रक्रिया के तहत सख्ती से कार्रवाई करने कहा। आयुक्त ने रैन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू, पंकज के. शर्मा, विनोद पांडेय, रवि राही, अतुल विश्वकर्मा, मुख्य अभियंता संजय बागडे, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, इमरान खान, सभी उपायुक्त, जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता सहित सभी विभागो के प्रभारी अधिकारी भी उपस्थिति रहे।

पेज 03 के शेष

छत के ऊपर एयर ....

लोगों ने इस यादगार पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। भारतीय वायुसेना की इस शानदार उड़ान ने पूरे शहर में देशभक्ति और गौरव का वातावरण निर्मित कर दिया।

सामरिक क्षमता एवं तकनीकी दक्षता: कलेक्टोरेट परिसर स्थित मल्टीलेवल पार्किंग की छत पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, जिला पंचायत कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशीष देवांगन, एसडीएम नम सिंह कोसले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने आसमान में उड़ान भरते सारंग हेलीकॉप्टरों को देखकर उत्साहपूर्वक हाथ हिलाकर भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलटों का अभिवादन किया। कलेक्टर ने कहा, भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का राजधानी के आसमान में उड़ान भरना रायपुरवासियों के लिए गौरव और उत्साह का क्षण है। भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलटों का साहस, अनुशासन और उत्कृष्ट उड़ान कौशल देश की सामरिक क्षमता एवं तकनीकी दक्षता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन विशेष रूप से बच्चों और युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं तथा उन्हें भारतीय सशस्त्र सेनाओं में शामिल होकर राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

11 बजे प्रारंभ ....

प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं और बच्चों को भारतीय वायुसेना के अदम्य साहस, अनुशासन और तकनीकी सामर्थ्य से परिचित कराने का अवसर प्रदान करेगा।

दीपावली पर घर ....

रही, जबकि थर्ड एसी में वेटिंग 46 से अधिक दर्ज की गई। अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस में बुकिंग भी बंद थी। ऐसे में यात्रियों के लिए तत्काल कोटे से कन्फर्म टिकट हासिल करना भी चुनौती बन गया है।

छत्तीसगढ़ महतारी की ....

2026 को उनकी कृति छत्तीसगढ़ महतारी का कॉपीराइट पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया है। उन्होंने सरकार से चित्र के उपयोग की वर्तमान व्यवस्था जारी रखते हुए राजपत्र में चित्रकार के रूप में उनका नाम शामिल करने की मांग की है।

प्रवेश रद्द कराने ....

11 डीम्ड यूनिवर्सिटी, 3 प्राइवेट यूनिवर्सिटी, 16 पब्लिक यूनिवर्सिटी और सरकारी इंस्टीट्यूशंस और 54 प्राइवेट कॉलेज शामिल हैं।

यूजीसी ने कहा कि फीस वापस न करना स्टूडेंट के अधिकारों का उल्लंघन ही नहीं है, बल्कि हायर एजूकेशन सिस्टम की ईमानदारी और भरोसे को भी कमजोर करते हैं। संबंधित यूनिवर्सिटी और उनसे जुड़े कॉलेजों को बार-बार लिखकर और फोन पर फॉलोअप करने के बावजूद कई संस्थान यूजीसी के निर्देशों को नजर अंदाज कर रहे हैं, जिससे स्टूडेंट्स को बेवजह परेशानी हो रही है। ऐसे में यूजीसी ने संबंधित गवर्नर के ऑफिस से रिक्वेस्ट की है कि वह अपनी फीस रिफंड पॉलिसी को सख्ती से लागू करें और चेतावनी देते हुए निर्देश जारी करें।

हो सकती है कार्रवाई: यूजीसी ने साफ किया है कि जो भी यूनिवर्सिटी फीस वापस नीति का उल्लंघन करता है, उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में यूनिवर्सिटी को मिलने वाली अनुदान सहायता रोकना, संस्थाओं को आयोग की सहायता योजना के लिए अपात्र घोषित करना, आयोग की वेबसाइट पर संस्थान के नाम की सार्वजनिक घोषणा करना, कॉलेज की स्थिति में संबंध विश्वविद्यालय से संबंधता वापस लेने की सिफारिश करना और राज्य या केंद्र सरकार को उचित कार्रवाई की सिफारिश करना जैसे दंडात्मक कार्रवाई शामिल है।

इन्हें वापस मिलेगी ...

जबकि दिल्ली के 309, पश्चिम बंगाल के 148, कर्नाटक के 132 और बिहार के 33 मामले शामिल हैं। यूजीसी के अनुसार देश के 29 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में ऐसे मामले पाए गए हैं।

बारनवापारा में असम से लाए गए राजकीय पशु की संख्या 6 से बढ़कर 14 हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य में राजकीय पशु वनभैंसा का कुनबा बढ़ाने असम से वर्ष 2020 में लाई गई दो तथा वर्ष 2023 में लाई गई चार मादा वनभैंसों सहित कुल छह की संख्या बढ़कर अब दो गुना से ज्यादा 14 हो गई है।

तीन राजकीय पशुओं ने 15 अक्टूबर से 26 अक्टूबर के बीच तीन शावकों को जन्म दिया है। शावकों को बारनवापारा स्थित बाड़े में विशेष निगरानी में रखा गया है। शावकों तथा उनकी मां को किसी तरह के संक्रमण से बचाने नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में प्योर नस्ल का छोटू नाम का वनभैंसा एकमात्र राजकीय पशु है, वह काफी उम्रदराज हो गया है। छोटू को अभी उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के पूर्व में बनाए गए वनभैंसा रेस्क्यू सेंटर में रखा गया है। असम से लाए गए जिन मादा वनभैंसों ने शावकों को जन्म दिया है, उन सभी का पिता मानस नामक वनभैंसा है। वर्ष 2025 में दो शावकों की मृत्यु हो गई थी। इस कारण विभागीय अधिकारी सावधानी बरतते हुए हाल के दिन में जन्मे शावकों के साथ मादा शावकों को विशेष निगरानी में रखे हुए हैं। मादा राजकीय पशुओं के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद से ही विभागीय अधिकारी उन तीनों मादा वनभैंसों को झुंड से अलग कर विशेष देख-रेख करने के साथ डाइट दे रहे थे। राजकीय पशु के शावक होने की पुष्टि चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन ओपी यादव ने भी की है।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

तीन मादा वनभैंसा ने दिया शावकों को जन्म

किए गए सुरक्षा के उपाय

वनभैंसो को जहां रखा गया है, उस क्षेत्र में हाथी सहित अन्य वन्यजीव नहीं पहुंच पाएं, इसके लिए अलग से इंतजाम किए गए हैं। वनभैसों की निगरानी के लिए अलग से गश्ती दल 24 घंटे निगरानी कर रहा है। बाड़ा के आसपास लोगों की आवाजाही करने पर रोक लगा दी गई है। शावकों को अभी आम लोगों से दूर रखा गया है।


फाइल फोटो

चिकित्सक के अलावा किसी को जाने की अनुमति नहीं

हाल के दिनों में जन्मे राजकीय पशु के शावकों के साथ उनकी मां को कोरेंटाइन में रखा गया है। वनभैसों के करीब अधिकारी, केयर टेकर तथा चिकित्सक के अलावा किसी और को जाने की अनुमति नहीं दी गई है। शावकों के करीब जाने के लिए अधिकारी के साथ चिकित्सक अपने आपको सेनेटाइज करते हैं। उसके बाद ही शावकों के करीब जाते हैं।

खबर संक्षेप



विधायक ने जोन-10 दफ्तर में समीक्षा बैठक ली

रायपुर। विधायक मोतीलाल साहू ने शुक्रवार को जोन 10 दफ्तर में समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों, राजस्व वसूली, सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट प्रबंधन एवं अन्य सभी विषयों को लेकर कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पांडेय, जोन कमिश्नर रूचि शर्मा, कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, एमआईसी सदस्य सचिन बी. मेघानी, डॉ अनामिका सिंह, पार्षद गायत्री नौरंगे, सुषमा साहू, विनय प्रताप सिंह ध्रुव, विनय निर्मलकर सहित नगर निगम जोन 10 के अन्य सम्बंधित निगम अधिकारी मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आज

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर आज सुबह 11 बजे नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है। कालीबाड़ी चौक में स्थित उनके प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित उन्हें नमन किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के अध्यक्ष सहित जोन-4 के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

अब घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र की सुविधा

रायपुर। पेंशनभोगियों को अब इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवाने की सुविधा मिलेगी। इस सुविधा के अंतर्गत कोई भी पेंशनभोगी अपने घर पर ही डाक विभाग के डाकिया या ग्रामीण डाक सेवक की सहायता से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवा सकता है। इस सुविधा का मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं ऐसे पेंशनभोगियों को राहत देना है। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पेंशनभोगी को 70 रुपए शुल्क का भुगतान करना होगा।

एक लाख से अधिक लोगों का इंतजाम

राज्योत्सव का भव्य आगाज कल तीन जोन में सजे वाटरप्रूफ स्टॉल्स

- मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, सुविधा और मनोरंजन के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर के तूता मेला ग्राउंड पर 1 नवंबर से 26वें राज्योत्सव का भव्य आगाज होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्ष गवाह 1 लाख से अधिक लोग बनेंगे। इसके लिए राज्योत्सव आयोजन स्थल पर हाईटेक सुविधा विकसित की गई है। राज्योत्सव को ऐतिहासिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पूरे मेला परिसर को मुख्य रूप से 3 प्रमुख सेक्टर -जोन में बांटा गया है, ताकि आयोजन में आने वाले लोगों को असुविधा न हो और भीड़ नियंत्रित रहे। वहीं मुंख्य सांस्कृतिक मंच की दर्शक दीर्घा की बैठक क्षमता 7000 रखी गई है। शुक्रवार को हरिभूमि की टीम ने राज्योत्सव आयोजन स्थल का जायजा लिया, तो पता चला कि आयोजन की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है।

राज्योत्सव स्थल पर ले-आउट और व्यवस्था विकसित कर रहे छत्तीसगढ़ स्टेट इंड्रस्टी डेवलपमेंट कार्पोरेशन के इंजीनियर एचआर वर्मा ने बतया कि राज्योत्सव आयोजन के लिए पूरे तूता मेला ग्राउंड को तीन जोन में विभाजित कर वाटरप्रूप डोम व स्टॉल्स तैयार किया गया है। वहीं सीएसआईडीसी के अधिकारी कपिल कुशवाहा ने बताया कि इस साल आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, सुविधा और मनोरंजन के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। आयोजन स्थल पर 1 लाख से अधिक लोगों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि आगंतुकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।



मौसम की चुनौती से निपटने विशेष तैयारी

संभावित मौसमी बदलावों और बारिश की स्थिति से निपटने के लिए इस बार व्यापक तैयारियां की गई हैं। पूरे मेला क्षेत्र को मुख्य रूप से तीन विशेष जोन में विभाजित किया गया है। इन जोन्स में विकास प्रदर्शनियों, सरकारी योजनाओं और व्यापारिक गतिविधियों के लिए विशाल वॉटरप्रूफ डोम और स्टॉल्स तैयार किए गए हैं। यह छत्तीसगढ़िया संस्कृति, हस्तशिल्प और आधुनिक विकास की झलक दिखाने वाले स्टॉल्स को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दर्शकों को भी धूप और पानी से बचाएगा।

आयोजन स्थल पर यह सुविधाएं विकसित

प्रशासनिक अनुमान के मुताबिक, इस बार प्रतिदिन 1 लाख से अधिक दर्शकों के पहुंचने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर विशाल पार्किंग एरिया मेला स्थल के बाहर हजारों वाहनों के लिए सुव्यवस्थित और सुरक्षित पार्किंग जोन बनाए गए हैं। पेयजल और टॉयलेट्स की बात करें तो पूरे परिसर में जगह-जगह साफ पेयजल के स्टॉल और आधुनिक मोबाइल टॉयलेट्स की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा एवं मेडिकल कैंप से आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जगह-जगह मेडिकल बूथ, एम्बुलेंस और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल के साथ सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है।

यह रहे जोन और उनके स्टॉल्स

मुख्य मंच और सांस्कृतिक जोन

यहां विशाल डोम और भव्य मुख्य स्टेज बनाया गया है, जहां हर शाम 6 बजे से रात 10 तक बॉलीवुड सिंगर्स और छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इसके ठीक सामने दर्शक दीर्घा के लिए बैठक व्यवस्था की गई है।

विभागीय प्रदर्शनी और स्टॉल जोन

इस जोन में दो विशाल डोम बनाया गया है। इस जोन अंतर्गत विभिन्न सरकारी विभागों के 100 से अधिक विकास और थीम-आधारित पवेलियन/स्टॉल लगाए गए हैं, जो सुबह 10 से रात 9.30 बजे तक खुले रहेंगे।

'गढ़ कलेवा' व्यंजन फूड जोन

राज्योत्सव में पहुंचने वाले लोगों के लिए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसे चीला, फरा, चौसेला, ठेठरी-खुरमी का एक समर्पित फूड हब बनाया गया है। इसके अलावा देशभर के विविध पारंपरिक खान-पान की भी उपलब्धता होगी।

आईएनसी ने दिया 15 दिन का वक्त, नर्सिंग काउंसिलिंग शेड्यूल का अब तक पता नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- 15 नवंबर तक बढ़ाई तारीख, बीच में दिवाली की छुट्टी
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के पास काउंसिलिंग की जिम्मेदारी

इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने नर्सिंग कालेजों में प्रवेश के लिए 15 दिन का वक्त तो दिया है, मगर काउंसिलिंग शेड्यूल का अब तक पता नहीं है। अंतिम तारीख 15 नवंबर तय की गई है। इस बीच दिवाली का अवकाश भी है। मान्यता और संबद्धता की प्रक्रिया के बाद अब काउसिंलिंग करने की जिम्मेदारी चिकित्सा शिक्षा विभाग की है। चिकित्सा शिक्षा विभाग तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए नर्सिंग एडमिशन की अंतिम तिथि 15 दिसंबर तक बढ़ाने के लिए आईएनसी को पत्र भेजा था। इस पर विचार करने के बाद उनकी ओर 31 अख्टूबर के बजाए 15 नवंबर प्रवेश की तारीख तय की गई है। समय बढ़ाने की दूसरी चिट्ठी ने नर्सिंग कालेज, चिकित्सा शिक्षा विभाग और छात्रों की चिंता बढ़ा दी है। इन पंद्रह दिनों के भीतर दिवाली का अवकाश भी है। दूसरी ओर चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से अब तक प्रवेश के लिए कोई शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। अभ्यर्थियों का पंजीयन फिर तीन राउंड की काउंसिलिंग जैसी प्रक्रिया को पूरा करने में वक्त लगेगा। राज्य में करीब 164 नर्सिंग कालेज है, जिसमें से करीब 14 कालेजों में उपयुक्तता संबंधी विवाद अब तक सुलझ नहीं पाया है। इधर आईएनसी ने अपनी शर्तों में संस्थानों को निर्धारित पाठ्यक्रम को पूरा करने की शर्त रखी है। इसके अलावा अंतिम तारीख और आगे नहीं बढ़ाने की शर्त भी जोड़ी गई है। निजी नर्सिंग कालेजों और प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों तारीख जाने का होने का इंतजार है।

नए मेडिकल कालेजों में टीचरों की नियुक्ति

इधर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस सत्र में खुले पांच नए मेडिकल कालेजों में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। संविदा आधार पर एसोसिएट, असिस्टेंट प्रोफेसरों के सीनियर रेसीडेंट को पदस्थ किया गया है। संविदा आधार पर दी गई है नियुक्ति में चांपा-जांजगीर कालेज में 2, जशपुर में 3, कबीरधाम में 1 तथा मनेन्द्रगढ़ चिकित्सा महाविद्यालय में 4 शिक्षकों को नियुक्त किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गुम इंसान के एक ही दिन में 159 केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नाबालिगों के बाद बालिगों के गुम होने पर सुप्रीम कोर्ट ने अपहरण का केस दर्ज कर पुलिस को जांच करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट का आदेश 22 मई 2026 से लागू है। इस कारण पुलिस कमिश्नरेट के साथ ग्रामीण के थाना क्षेत्र में एक ही दिन में पुलिस ने गुम इंसानों के 159 केस दर्ज किए। इसे लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की अफवाहें फैलने लगी थीं। अफवाहों पर अंकुश लगाने पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन के 50 प्रकरण में 39 लोगों को रिकवर कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने अपनी पड़ताल में किसी भी प्रकार के अपहरण जैसी घटना होने की बात से इनकार किया है।

डीसीपी सेंट्रल तारकेश्वर पटेल के निर्देशन तथा एडीसीपी विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में गुम इंसानों की पतासाजी करने टीम बनाई गई। रिकवर किए गए लोगों से पूछताछ एवं प्रकरणों की जांच में उनके लापता होने के अलग-अलग व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारण सामने आए हैं। इनमें काम की तलाश में बाहर चले जाना, परिवार से नाराज होकर घर छोड़ना, मानसिक अस्वस्थता के कारण परिवार से बिछड़ जाना तथा प्रेम संबंध के कारण घर से चले जाना एवं विवाह कर लेना जैसी परिस्थितियां शामिल हैं। कुछ व्यक्ति नवरात्रि के दौरान परिजनों को बिना बताए डोंगरगढ़ दर्शन के लिए चले गए थे, जिनके परिजन ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी।



- 50 प्रकरण में 39 रिकवर, किसी में नहीं मिले अपहरण के साक्ष्य
- ज्यादातर प्रेम प्रसंग, पारिवारिक तनाव अन्य कारणों से घर छोड़कर चले गए थे
- किडनैपिंग की सोशल मीडिया में फैली अफवाह

पंजाब से हेरोइन चिट्टा लाकर खपाने वाला युवक महिला साथी के साथ गिरफ्तार

- आरोपी के कब्जे से नौ लाख रुपए से ज्यादा कीमत का चिट्टा जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अफीम चिट्टा सहित अन्य तरह के सिंथेटिक नशा का सेवन करने वाले तथा उन प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल तस्कर आर्डर से मादक पदार्थ मंगाने के बजाय खुद जाकर मादक पदार्थ लाकर यहां खपाने के साथ सेवन कर रहे हैं। ऐसे ही एक प्रकरण में पुलिस ने एक तस्कर तथा इवेंट में काम करने वाली युवती को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 45.84 ग्राम हेरोइन चिट्टा जब्त किया है। युवक पूर्व में 2025 में हेरोइन चिट्टा खपाने के आरोप में जेल जा चुका है। हेरोइन चिट्टा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने टिकरापारा, सिमरन सिटी निवासी तरुण बजाज तथा सरस्वती नगर, कोटा निवासी खुशी गभाने को गिरफ्तार किया है। दोनों को पुलिस ने नहर रोड स्थित फोर व्हीलर वाशिंग सेंटर, रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी आदतन ड्रग एडिक्ट हैं। नशे का शौक पूरा करने चिट्टा तस्करी करने के साथ ही सेवन करते थे।

15 दिन तक नजर रखने के बाद कार्रवाई

आरोपी द्वारा जेल से छूटने के बाद पुनः मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त होने की पुलिस को जानकारी मिली थी, लेकिन पुलिस के पास युवक के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं था। इसी दौरान पुलिस को आरोपी के पंजाब जाने की जानकारी मिली। इसके बाद उसके आने का पुलिस इंतजार करने लगी। युवक के आने के बाद उसकी गतिविधि संदिग्ध लगने पर पुलिस ने निगरानी तेज कर दी। ग्राहक को चिट्टा डिलीवरी देने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने युवक तथा युवती को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चिट्टा जब्त किया।



- कबीर नगर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 46 ग्राम चिट्टा बरामद किया

2025 में चिट्टा बेचने के आरोप में जेल जा चुका है : प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी तरुण बजाज के संबंध में यह तथ्य सामने आया है कि वह पूर्व में भी डीडी नगर के चिट्टा संबंधी प्रकरण में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है, उसे कोर्ट ने पांच वर्ष कैद की सजा सुनाई है। हाईकोर्ट से छूटने के बाद पुनः चिट्टा का अवैध कारोबार करने लगा।

न्यायालय कु. प्रीति पालीवाल न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला रायपुर छ.ग.
समंस
प्र. क्रमांक-1092/2021, पेशी दिनांक- 03.11.2026
प्रोसेस क्रमांक - 1303/2026
महेन्द्र जंघेल ...परिवादी
विरूद्ध
कमल विभार ...वादी
बनाम,
कमल विभार उम्र 37 वर्ष पिता श्री मरकांडो विभार पता पुराना शीतला मंदिर केपास पंडरी तालाब महात्मा गांधी वार्ड रायपुर जिला रायपुर छ.ग. आवेदक महेन्द्र जंघेल ने आपके विरूद्ध दांडिक प्रकरण संस्थित किया है। जिसकी इस न्यायालय मे पेशी तारीख 03.11.2026 नियत है। आपको इस न्यायालय मे पेशी तारीख 03.11.2026 को 11:00 बजे उत्तर देने के लिए उपसंजात या उपस्थित होने के लिये समंस जारी किया जाता है । आप इस न्यायालय में स्वयं या ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो जिसे तत्संबंध मे अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपसंजाति के लिये जो दिन नियत किया जाता है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है इसलिये आपको इस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिनके लिये आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं । आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित की गयी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा ।
नोट- यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो, प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा ।
आज दिनांक 15 माह 10 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
मुहर न्यायाधीश

// आम सूचना //
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा टाटीबंध कालोनी, रायपुर में निर्मित ढ़ाचा योजना में से भवन / भूखण्ड क्र. ढ़ाचा-323, स्लाईस–01, के आबंटी श्री मोहन लाल जांगिड पिता श्री आशा राम जांगिड को स्ववित्तीय / भाड़ाक्रय / एकमुश्त / ऑफर आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक 02.12.2010 को लीजडीड / सेलडीड / विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन श्री गजेन्द्र कुमार डहारे पिता श्री धनंजय दास डहारे के पक्ष में दिनांक 06.06.2011 को विक्रय कर दिया।
तदुउपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन / भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/ भूखण्ड क्रेता श्री गजेन्द्र कुमार डहारे पिता श्री धनंजय दास डहारे के नाम पर नामांतरण किया जाना है।
अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड / भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा ।
सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर



16 वर्षों से आपकी सेवा में

श्री खाटू श्याम ज्योतिष



जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष सामाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान-संतान योग
- दुकान, बच्चों के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण



ज्योतिष के माध्यम से जीवन की सही दिशा

समस्याएँ चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों,
समाधान हमेशा संभव है...

मनमोहनी स्पेशलिष्ट

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ | पं.रविकांत शर्मा
पं.एस.के. शास्त्री



खाटू श्याम जी की असीम कृपा से
"हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"

जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान





















क्यों चुनें हमें ?

- 16 वर्षों का अनुभव
- सटीक एवं सरल समाधान
- गोपनीयता की पूर्ण गारंटी
- व्यक्तिगत मार्गदर्शन
- श्रद्धा और विश्वास पर आधारित सेवा

ऑफिस आने पर मात्र

₹ 101

PAYMENT QR CODE

₹ 251

फोन से परामर्श मात्र

हमारी प्रमुख सेवाएं

- **जन्म कुंडली विश्लेषण** — व्यक्तित्व, करियर, विवाह, संतान
- **वैवाहिक जीवन** — विवाह में आ रही बाधाएँ, वैवाहिक सुख
- **करियर एवं व्यवसाय** — नौकरी, व्यापार, विदेश योग
- **धन एवं समृद्धि** — आर्थिक स्थिति, निवेश, लाभ
- **संतान योग** — संतान प्राप्त, संतान सुख
- **वास्तु शास्त्र** — घर, दुकान, ऑफिस की ऊर्जा
- **हस्तरेखा विज्ञान** — जीवन की संभावनाएँ, भविष्य संकेत
- **प्रश्न कुंडली** — तत्काल समाधान, सही दिशा

बुकिंग के लिए संपर्क करें:
+91 747 067 4060

पोलसाय पारा चौक,
स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र:- पं. रविकांत शर्मा एवं
पं. एस. के शास्त्री: +91 9755964567

नोट : मिलने के लिए अपॉईंटमेंट लेना आवश्यक है। असुविधा से बचने के लिए अपॉईंटमेंट लेकर ही मिलें। | Follow us on: shree_khatushyam_jyotish | हमारी अन्य कोई और शाखा नहीं है।